राष्ट्र की सेवा में समर्पित

प्रभात अर्जुन

वर्ष : 5, अंक : 6
पृष्ठ : 8
सोमवार 16-31 मई 2016
मूल्य : ₹2.00
हिन्दी पाक्षिक

आर.एन.आई. नं.
HARHIN/2012/41589

संपादक
मनोज भारद्वाज

फरीदाबाद

संपादकीय

सेहत की कीमत पर विकते खाद्य

स्वास्थ्य जगत : लंबी उम्र कर सकती है शराब! ...

धर्म आस्था : ...पापों से मुक्ति के लिए अवश्य पढ़ें यह कथा

संक्षिप्त समाचार

18 से कम उम्र में दुल्हन बनीं 30 फीसदी महिलाएं

नई दिल्ली। साल 2011 के जनसंख्या आंकड़ों की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर तीन शादीशुदा महिलाओं में से एक की शादी 18 साल की उम्र से पहले हुई है। चौंका देने वाली बात तो यह है कि 78.5 लाख लड़कियों की शादी तो 10 साल की उम्र से पहले ही

करा दी गई । साथ ही आंकड़ों से यह भी पता लगा है कि सभी शादीशुदा महिलाओं में से 91 फीसदी की शादी 25 साल की उम्र से पहले ही हो गई थी। आंकड़ों में एक बात और सामने आई है कि बाल विवाह का आंकड़ा मुस्लिमों से भी हिंदू धर्म में है। शादी के लिए कानूनी उम्र लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के के लिए 21 वर्ष है ।आंकड़ों के मुताबिक 30.2 फीसदी शादीशुदा महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र से पहले ही हो गई थी। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले दशक में ज्यादा था। साल 2001 के आंकड़ों में ऐसी महिलाओं की संख्या 43.15 फीसदी थी। कम उम्र में शादी की यह प्रथा लगभग सभी समुदायों में पाई जाती है। आंकड़ों के मुताबिक कम उम्र में लड़की की शादी के आंकड़े हिंदू और मुस्लिम समुदाय में लगभग बराबर हैं। 31.3 फीसदी हिंदू महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र से पहले कर दी गई, जो कि साल 2001 में 45.1 फीसदी थीं। वहीं मुस्लिम समुदाय की बात की जाए तो यहां ऐसी महिलाओं की संख्या 30.6 फीसदी है जो कि साल 2001 में 43.1 फीसदी थीं। ईसाई धर्म में 12 फीसदी महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र से पहले कर दी गई। यह आंकड़ा साल 2001 में 16.4 फीसदी था। वहीं सिख धर्म में भी ऐसी महिलाओं की संख्या साल 2001 के 17 फीसदी से घटकर 10.9 फीसदी रह गई है। बुद्ध धर्म में 27.8 फीसदी और जैन धर्म में 16.2 फीसदी महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र से पहले कर दी गई।

रॉबर्ट वाड्रा का लंदन में 19 करोड़ का बेनामी घर, हथियार डीलर से लेन-देन में नाम : रिपोर्ट

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा का नाम विवादित हथियार डीलर संजय भंडारी के साथ जुड़ा है। न्यूज चैनल एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार संजय भंडारी के ठिकानों पर इनकम टैक्स विभाग के छापों में भंडारी और वाड्रा का लिंक सामने आया है। साथ ही लंदन की एक प्रोपर्टी में उनका नाम है। ये रिपोर्ट कथित रूप से रॉबर्ट वाड्रा और उनके सहयोगी मनोज अरोड़ा द्वारा भेजी गई ई-मेल पर आधारित है। हालांकि चैनल ने कहा कि वह ईमेल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता।

चैनल की रिपोर्ट के अनुसार पिछले महीने एनफोर्समेंट एजेंसियों ने भंडारी के 18 ठिकानों पर छापा मारा था। कर अधिकारियों और एनफोर्समेंट विभाग द्वारा इन छापों के बाद दो जांच रिपोर्ट तैयार की गई। इनके अनुसार कथित तौर पर रॉबर्ट वाड्रा और उनके सहयोगी मनोज अरोड़ा ने कई ईमेल भेजे जिसमें लेन-देन और लंदन के घर के रेनोवेशन से जुड़ी बातें हैं। 12 एल्र्टन हाउस, ब्रायंस्टन स्क्वायर पर स्थित इस घर को करीब 19 करोड़ रुपये में खरीदा गया। ऐसा आरोप है, यह सौदा अक्टूबर 2009 में हुआ और जून 2010 में इसे बेच दिया गया। एनडीटीवी को रॉबर्ट वाड्रा के वकील ने कहा है कि वाड्रा किसी भी प्रकार प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उल्लेख की गई संपत्ति 12, एल्रटन हाउस, ब्रायनस्टन स्क्वायर, लंदन से जुड़े हुए नहीं है। यह भी कहा है कि वाड्रा और उनके सहयोगी संजय भंडारी से किसी भी प्रकार के वित्तीय लेन-देन से जुड़े नहीं है। वे यह भी नहीं जानते हैं कि संजय भंडारी किसी भी प्रकार की रक्षा डील से जुड़े हैं। वहीं इस मामले में कांग्रेस ने रॉबर्ट वाड्रा का बचाव किया। कांग्रेस प्रवक?ता अभिषेक मनु सिंघवी ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा, ÷हमें वाड्रा की ओर से मेल मिला है जिसमें कहा गया है यह आरोप सही नहीं है। उन्हें ईडी या आईटी किसी की ओर से कोई नोटिस नहीं मिला है। य ह रिपोर्ट गलत सूचना पर आधारित है।

बस्तर का टार्ज़न चेंदरू ज़हाने की मौत, महीने भर से चल रहे थे बीमार

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ और वहां के बस्तर जिले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले चेंदरू ज़हाने महीने भर से बीमार चल रहे थे, अब उनकी मौत हो गई है। बस्तर के टार्जन कहे जाने वाले चेंदरू 13 अगस्त को पक्षाघात के बाद जगदलपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती हुए थे, महीने भर जिंदगी और मौत से लड़ते हुए बस्तर के 78 वर्षीय टार्जन ने दुनियां को अलविदा कह दिया।

बस्तर के टार्जन चेंदरू ने जहां शोहरत की बुलंदियों को छुआ वहीं उन्हें घोर उपेक्षा को भी भोगना पड़ा। जब चेंदरू बीमार पड़े तो एक जापानी महिला ने डेढ़ लाख रुपए की मदद और छत्तीसगढ़ के एक मंत्री ने 25 हज़ार रुपए की मदद की। इसके अलवा न तो उनको बीमारी से पहले और ना ही बाद में किसी ने उनके और उनके परिवार को नही पूछा। नब्बे के दशक में चेंदरू को तलाश कर लंबी रिपोर्ट लिखने वाले पत्रकार केवल कृष्ण के मुताबिक किसी भी दूसरे मुरिया आदिवासी की तरह चेंदरू बेहद खुशमिज़ाज और बहुत सारी चीज़ों की परवाह न करने वाले थे, लेकिन चेंदरू के सामने उनका अतीत आकर खड़ा हो जाता था, एक सपने की तरह, इससे वे मुक्त नहीं हो पाए। बस्तर के गढबेंगाल गांव से कभी बाहर नहीं जाने वाले चेंदरु ÷एन द जंगल सागा÷ फिल्म प्रदर्शन के समय स्वीडेन समेत कई देशों में भ्रमण करते हुए कई महीनों तक विदेश में भी रहे।

70 साल की सोनिया थक गई हैं अब नई पीढ़ी को लाने का समय आ गया

नई दिल्ली। कांग्रेस में एक बार फिर पार्टी उपाध्यक्ष राहुल गांधी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने की मांग उठी है और इस बार आवाज उठाने वाले हैं पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को 'थकी हुई' कहते हुए पार्टी का नेतृत्व नई पीढ़ी को सौंपे जाने पर बल दिया है। अमरिंदर ने एक साक्षात्कार में कहा, मैंने सोनिया गांधी के साथ काम किया है। वह बहुत अच्छी नेता हैं। लेकिन उनकी उम्र अब 70 साल हो गई है। नई पीढ़ी को सामने लाने का समय आ गया है। निश्चित रूप से वह थक गई हैं।जब उनसे पूछा गया था कि क्या कांग्रेस के पदानुक्रम में शीर्ष पर सोनिया और राहुल के एक साथ रहने के कारण इसे नुकसान पहुंचा है तो उन्होंने यह बात कही। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यदि वह स्वयं आगे बढ़कर जिम्मेदारी सौंपती हैं तो यह अच्छा होगा। एक अन्य सवाल के जवाब में अमरिंदर ने कहा कि अधिकार एवं जिम्मेदारी मिलने पर राहुल गांधी भी मजबूत नेता के रूप में सामने आएंगे। पंजाब के अमृतसर से कांग्रेस के सांसद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा, मैंने उनके (राहुल) पिता (राजीव गांधी) के साथ काम किया है। वह भी इसी तरह के थे। राहुल भी समय के साथ एक मजबूत नेता के रूप में सामने आएंगे। हाल के विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार का परोक्ष संदर्भ देते हुए अमरिंदर ने कहा, देश में जो कुछ भी हुआ है उसे देखते हुए पार्टी को स्वयं को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस हाईकमान को 'क्षेत्रीय नेताओं' से लड़ने के लिए संबंधित राज्यों में पार्टी की प्रदेश इकाइयों के नेताओं को अधिक अधिकार देने की आवश्यकता है। कांग्रेस के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, यदि आपको क्षेत्रीय नेतृत्व से लड़ना है तो आपको राज्य के नेताओं को अधिकार देने पड़ेंगे।

हथियार डिपो में लगी आग की SIT करेगी जांच

मुंबई। महाराष्ट्र में नागपुर के पुलगांव स्थित सेना के सबसे बड़े हथियार डिपो में आग लगने से दो अधिकारियों सहित 16 लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक बयान में दो अफसर, एक जवान और 13 दमकलकर्मी की मौत होने की पुष्टि की गई है। इस हादसे में 17 लोग घायल हो गए हैं। रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने घटना स्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। आग पर काबू पा लिया गया है लेकिन बीच-बीच में हो रहे धमाकों की वजह से ऑपरेशन में परेशानी आ रही है। एहतियातन आसपास के 3 गांवों को खाली करा दिया गया है। इस मामले में रक्षामंत्री मनोहर पर्रिकर ने सेना से रिपोर्ट मांगी है। आग सेना के डंपिंग यार्ड में लगी थी, जो देखते ही देखते भयंकर हो गई। आग पर किसी तरह काबू पाया गया, लेकिन बीच-बीच में होने वाले धमाकों की वजह से फिर आग भड़क उठी। आग में झुलसने से सेना के चार अधिकारी घायल भी हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राज्यसभा चुनाव : जी ग्रुप के मालिक सुभाष चंद्रा का बीजेपी कर सकती है समर्थन

नई दिल्ली। 11 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार को भाजपा ने छह और उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। दूसरी लिस्ट पीएम मोदी और पार्टी प्रमुख अमित शाह ने मिलकर सोमवार को फाइनल की है। इसमें रेलमंत्री सुरेश प्रभु, पार्टी प्रवक्ता एमजे अकबर और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे शामिल हैं। इसके साथ सूत्रों का कहना है कि पार्टी जी ग्रुप के मालिक सुभाष चंद्रा को भी समर्थन कर सकती हैं। चंद्रा हरियाणा से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह को हरियाणा से पहले ही मनोनीत कर दिया, हालांकि, अभी भी हरियाणा से दो सीटें खाली हैं। वहीं सुरेश प्रभु को आंध्र प्रदेश और एमजे अकबर को मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजा जाएगा। सहस्त्रबुद्धे और विकास माहाते को महाराष्ट्र से मनोनीत किया गया है। उत्तरप्रदेश से भाजपा की राज्य ईकाई के उपाध्यक्ष शिव प्रताप शुक्ला को राज्यसभा भेजा जाएगा। शुक्ला केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की जगह लेंगे, जो कि इस बार भाजपा के झारखंड से उम्मीदवार हैं। पार्टी ने झारखंड से दूसरा उम्मीदवार महेश पोद्दार को बनाया है। भाजपा के झारखंड विधानसभा में 47 वोट हैं और एक सीट जीतने के लिए 28 वोट जरूरी हैं। ऐसे में दूसरे उम्मीदवार के लिए 19 वोट बचते हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने जीत की उम्मीद के साथ दूसरा उम्मीदवार उतारा है। महाराष्ट्र से पार्टी ने विकास माहाते को मनोनीत किया है। बताया जा रहा है कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने माहाते को मनोनीत करने का सुझाव दिया था।

मेनका ने प्लेन टिकट देकर 200 से ज्यादा महिला पत्रकारों को बुलाया दिल्ली, बताएंगी मोदी सरकार की उपलब्धिया

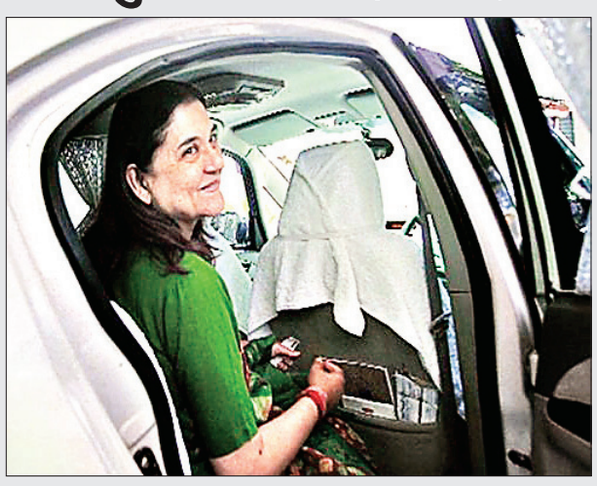

नईदिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर सभी मंत्रालय अपनी योजनाओं का प्रचार कर रहे हैं। लेकिन महिला एवं बाल कल्याण विकास मंत्री मेनका गांधी ने अपने मंत्रालय की योजनाओं के प्रचार के लिए अलग ही तरीका अपनाया है। उन्होंने राज्यों से महिला पत्रकारों को दिल्ली बुलाया है। इसके लिए मंत्रालय 7 जून को विज्ञान भवन में अपनी तरह की पहली प्रेस कांफ्रेंस करेगा। इसके जरिए वह अपनी योजनाओं का प्रचार क्षेत्रीय मीडिया से कराएगा। बाहर से आने वाली सभी पत्रकारों के आने-जाने और ठहरने का खर्च महिला एवं बाल कल्याण विकास मंत्रालय उठाएगा। इसके तहत पत्रकारों को हवाई टिकट भी दिए जाएंगे। अभी तक 200 निमंत्रण भेजे जा चुके हैं और यह सिलसिला जारी है। गौरतलब है कि पिछले दिनों ही केंद्र सरकार के दो साल पूरा होने के मौके पर इंडिया गेट पर पांच घंटे का शो 'एक नई सुबह' आयोजित किया गया था। इसमें सरकार के लगभग सभी बड़े मंत्री, बॉलीवुड सितारे शामिल हुए थे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संबोधन दिया था।

पीएम मोदी के गढ़ में दलितों के साथ करेंगे लंच शाह

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह मंगलवार (31 मई) को वाराणसी में दलित और पिछड़ी जाति के लोगों के साथ लंच करेंगे। शाह इसके बाद इलाहाबाद में सरदार पटेल किसान महासम्मेलन में शिरकत करेंगे। बता दें इससे पहले इस महीने की शुरुआत में उज्जैन में कुंभ मेले में शाह ने दलित साधुओं के साथ स्नान किया था। भाजपा की काशी यूनिट के सदस्य इलाहाबाद में किसान रैली और 12 और 13 जून को होने की राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक की तैयारी में लगे हुए हैं। इन सदस्यों से वाराणसी में पिछड़ी जाति बहुल गांव की पहचान करने के लिए कहा गया था। पार्टी ने पीएम मोदी की संसदीय सीट वाराणसी की सेवापुरी विधानसभा सीट में जोगियापुर गांव को इसके लिए चुना है। यहां पर शाह दलितों के साथ लंच करेंगे। पिछड़ी जाति से ताल्लुक रखने वाले भाजपा कार्यकर्ता गिरिजा प्रसाद बिंड ने शाह को अपने घर पर लंच ऑफर किया है। शाह के साथ ही 50 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ता और जोगियापुर और पड़ोसी गांव के लोगों को लंच के लिए न्योता दिया गया है। मुर्गी फार्म चलाने वाले किसान बिंड ने बताया, 'मैं करीब 600 लोगों का इंतजाम कर रहा हूं। खाना मेरे घर पर ही पकाया जाएगा। पार्टी इन इंतजामों के लिए आर्थिक तौर पर मेरी मदद कर रही है। मेरे घर को आम और केले के पत्तों से सजाया गया है।' भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य ने सोमवार को गांव का दौरा किया। उन्होंने बताया, 'यह समरसता भोज होगा, जिसमें शाह के साथ दलित और पिछड़ी जाति के लोग लंच करेंगे।

'युद्ध नहीं भारत-पाकिस्तान के बीच की समस्याओं का समाधान'

नई दिल्ली। भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं है और केवल मूर्ख लोग ही इसपर विकल्प के रूप में विचार कर सकते हैं। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही पाकिस्तान परमाणु वैज्ञानिक ए क्यू खान ने बयान दिया था कि उनका देश पांच मिनट में नई दिल्ली पर हमला करने की क्षमता रखता है। बासित ने यह भी कहा कि पाकिस्तान बातचीत के जरिए भारत के साथ सभी मुद्दों को हल करना चाहता है और दोनों पड़ोसियों को परिणामोन्मुखी वार्ता करनी चाहिए। उन्होंने एक संवाद के दौरान कहा कि दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) के बीच युद्ध कोई समाधान नहीं है। सिर्फ मूर्ख लोग युद्ध को समस्याओं का समाधान मान सकते हैं। पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण के 18 साल पूरे होने के अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए शनिवार को इस्लामाबाद में खान ने कहा था कि उनके देश में भारत की राजधानी को पांच मिनट में निशाना बनाने की क्षमता है। खान के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रणनीतिक मामलों के कई विशेषज्ञों ने कहा था कि भारत के पास पूरे पाकिस्तान को निशाना बनाने की क्षमता है, लेकिन परमाणु हथियार युद्ध हथियार नहीं है, बल्कि वे रक्षा के लिए बने हैं। समग्र भारत-पाक संबंधों पर बातचीत करते हुए बासित ने कहा कि हम आशा करते हैं कि वार्ता प्रक्रिया फिर शुरू होगी, क्योंकि हमारे सभी मुद्दे बातचीत से ही हल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पठानकोट हमले के पांच महीने हो गए हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान के बीच वार्ता प्रक्रिया फिर से शुरू नहीं हुई है। पठानकोट हमले की जांच पर पाकिस्तानी उच्चायुक्त ने कहा कि उनकी सरकार हमले की जांच में भारत का सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि हम पठानकोट पर सहयोग कर रहे हैं। हम आशा करें कि हम घटना की जड़ तक पहुंचने में सक्षम होंगे।

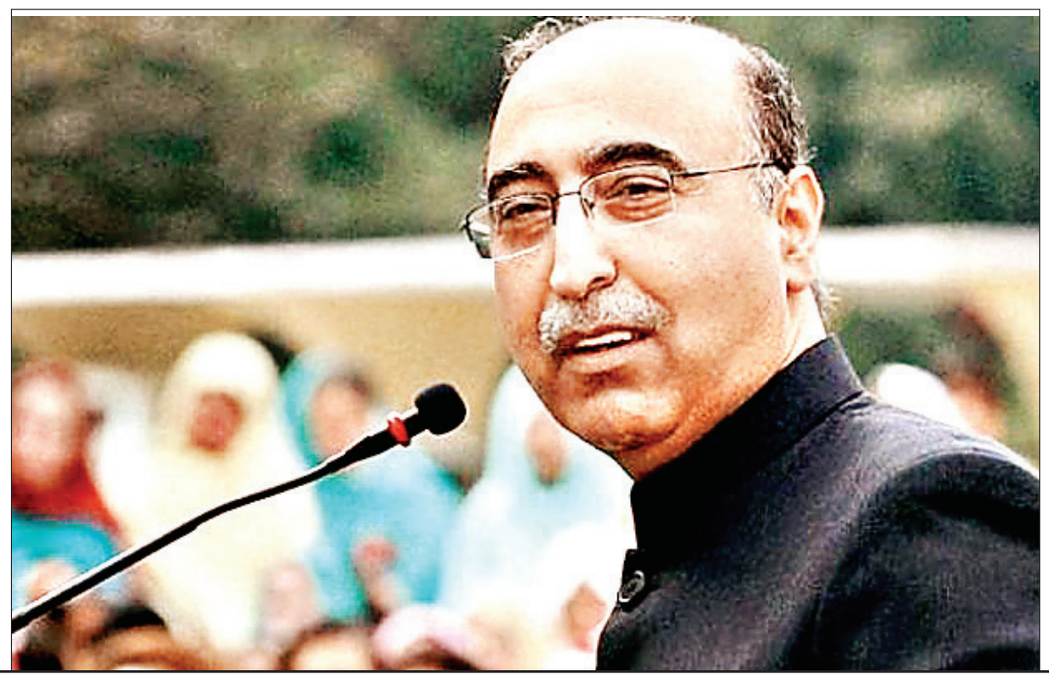

e-mail : mnewsdaily2008@gmail.com

जिला उपायुक्तों से अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस तैयारियों की ली जानकारी

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज वीडियोकान्फ्रैंसिंग के दौरान सभी जिला उपायुक्तों से रूबरू होकर जिला स्तर पर आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2016) के समारोह के लिए की गई तैयारियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के साथ हरियाणा के खेल एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री द्वारा वी.सी. में उपायुक्त चन्द्रशेखर से पूछने पर बताया गया कि फरीदाबाद के सैक्टर-12 में पीएम रैली ग्राउण्ड में आयोजित किए जाने वाले योग दिवस कार्यक्रम में योग गुरू बाबा रामदेव के साथ लगभग एक लाख लोग योग करेंगे। इनमें जिला पलवल व अन्य जिलों से भी आने वाले लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम से सम्बन्धित सभी प्रकार की आवश्यक तैयारियों व योग प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तसल्लीपूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में प्रमुख आयोजन विभाग आयुष को भारत स्वाभिमान ट्रस्ट व पतंजलि

योगपीठ संस्थान की जिला इकाई की ओर से भरपूर सहयोग मिल रहा है। वीडियोकान्फ्रैंसिंग में अतिरिक्त उपायुक्त एवं एसडीएम पार्थ गुप्ता, डीसीपी सैन्ट्रल विरेन्द्र विज, जिला आयुष अधिकारी डा प्रीति सैनी, जिला सिविल सर्जन डा गुलशन अरोड़ा, जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी सुनील भरद्वाज, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेन्द्र चौहान, पंचायती राज के कार्यकारी अभियन्ता राजेन्द्र सिंह हुड्डा, जिला शिक्षा अधिकारी मनोज कौशिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सतेन्द्र कौर वर्मा तथा फरीदाबाद के खण्ड नगर निगमायुक्त डा आदित्य दहिया, हुडा प्रशासक डा प्रियंका सोनी, फरीदाबाद के एसडीएम महाबीर प्रसाद, बल्लबगढ़ के विकास एवं पंचायत अधिकारी प्रदीप कुमार सहित जिला के अन्य सभी सम्बन्धित अधिकारी भी उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच की नई कार्यकारणी घोषित, ली शपथ

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद स्थित सांईधाम मंदिर में मारवाडी युवा मंच की नई कार्यकारणी के शपथ समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सांई भजनों का आयोजन किया गया जिसमें धार्मिक धुनों पर सभी ने नृत्य किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने शाखा अध्यक्ष अरिहंत जैन को शपथ दिलवाई। राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री कपिल लखोटिया एवं प्रांतीय महामंत्री प्रेम लूनावत ने मंच के नई कार्यकारणी सदस्यों को शपथ दिलाई। तिगांव रोड ग्रेटर फरीदाबाद स्थित सांई धाम मंदिर प्रांगण में मारवाड़ी युवा मंच की नई कार्यकारणी के अध्यक्ष अरिहंत जैन, उपाध्यक्ष अनिरूद्ध गोयनका, मनोज रूंगटा, विमल खंडेलवाल, सचिव मुकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हूल्लास गटानी, संयुक्त सचिव योगेश तिवारी, हिमांशु शर्मा के अलावा कार्यकारणी सह सचिव अमिता गुप्ता, शशी गुप्ता, कार्यकारणी के सभी सदस्यों को शपथ दिलाई गई। मारवाडी युवा मंच के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरिहंत जैन ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संगठन बहुत

जल्द कैंसर डिडेक्शन एवं डायलिसिस सेंटर के निर्माण कार्य की शुरूआत करेगा। श्री जैन ने कहा कि मंच समाज हित में आप सभी के सहयोग से तीव्र गति से सक्रिय रूप से समाजिक कार्यो में कार्यरत रहेगा। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने पूरी टीम को बधाइ देते हुए कहा कि मंच समाजिक प्रकल्पों को जन जन तक पहुंचाने का युवाओं से अपील की। इस अवसर पर सांई धाम मंदिर के संचालक मोती लाल गुप्ता, मंच के निवर्तमान अध्यक्ष रजत गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष पवन गुप्ता, संजीव जैन, दीपक तुल्सीयान, संजय गोयल सहित मारवाडी युवा मंच के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

सशस्त्र सीमा बल की महानिदेशक ने किया प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी एवं सशस्त्र सीमा बल की महानिदेशक अर्चना राम सुंदरम ने सूचना प्रोद्योगिकी एवं दूर संचार प्रशिक्षण केन्द्र फरीदाबाद का दौरा कर केन्द्र में चल रही विभिन्न प्रशिक्षणो का अवलोकन किया। इस अवसर पर महानिदेशक ने विशिष्ठ (पुराना वाहन)संग्रहालय का उद्घाटन किया। उन्होंने उद्घाटन के बाद बल के इतिहास को दर्शाती एस.एस.बी.संग्रहालय का भी निरिक्षण किया तथा नेशनल बिल्डिंग कन्सट्रक्सन कारपोरेशन (एन.बी.सी.सी) के अधिकारियों से बल के जवानो एवं कर्मचारियों हेतू आवास बनाने की चर्चा की उन्होंने कहा कि नियमित योगा कक्षाऐं तथा स्वास्थ्य जागरूकत्ता कार्यक्रम भी प्रशिक्षण का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी) तथा प्रतिशिष्ठ केन्द्रों से अनुभवी गेस्ट फैकलटी को बुलाकर प्रशिक्षण में शामिल कर सकते हैं। इस अवसर पर बल के महानिदेशक आदित्य मिश्रा, भानु उपाध्याय, डी.आई.जी पी. के गुप्ता सहायक निदेशक सुभाष चंद्रा के साथ अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ग्रेंड कोलबंस इन्टरनेशनल स्कूल में हुआ समर कैम्प का समापन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। कैनवॉस वर्कशॉप द्वारा समर कैम्प का विधिवत समापन सैक्टर 16 स्थित ग्रेंड कोलबंस इन्टरनेशनल स्कूल में किया गया। इस मौके पर कैनवॉस वर्कशॉप की संचालिका दीक्षा ग्रोवर चिलाना व कीर्ति मेहंदीरत्ता ने बताया कि इस वर्कशॉप में

बच्चों को किड्स बॉक्सिंग, वेस्टिज चीजों से सुंदर आकर्षक वस्तुओं को बनाना व स्वादिष्ठ पकवान बनाने के बारे में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को सिखाया गया। जिसका बच्चों ने भरपूर लाभ उठाया। दीक्षा ग्रोवर चिलाना व कीर्ति मेंहदीरत्ता ने बताया कि वर्कशॉप का मुख्य ध्येय बच्चों को पूरी तरह से परिपक्व करना एवं उन्हें इस बात का अहसास ना हो कि वह अपनी छुटिटयों को व्यर्थ कर रहे है को लेकर किया गया था और हमारा यह ध्येय पूरी तरह से सफल हुआ जिसका हम उन अभिभावकों का भी धन्यवाद जताते है जिन्होंने इस वर्कशॉप में अपने बच्चों को भेजा। दीक्षा व कीर्ति ने बताया कि इस समर कैम्प का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों भूपेन्द्र दलाल,मिस प्रिया ग्रोवर व मिस स्वेता अपने अनुभवों को बांटा। दीक्षा व कीर्ति ने बताया कि कैनवास वर्कशॉप आगामी दिनों में इस तरह के वर्कशॉपों का आयोजन कर बच्चों को अनुभवी प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण दिलवायेंगे। इस मौके समर कैम्प में हिस्सा लेने वाले सभी बच्चों के अभिभावकों ने वर्कशॉप द्वारा किये गये इस कार्य की सराहना की।

भाजपा सरकार की कथनी करनी में जमीन आसमान का अंतर है : विजय प्रताप

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह के सुपुत्र विजय प्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा गरीब विरोधी सरकार है। तुगलकी आदेश देकर भाजपा ने फरीदाबाद में जमाई कालोनी के

गरीब लोगों के कच्चे आशियानों पर बुलडोजर चला कर उन्हें उजाडने का काम किया है । भीषण गर्मी में उजड़े हुए गरीब लोग अब कहां जाएं। जबकि भाजपा ने पहले वायदे किए थे कि किसी गरीब को नहीं उजाड़ा जाएगा। हर गरीब व्यक्ति को मकान देंगे । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में कहा था कि हर एक झुग्गी को एक मकान देंगे। श्री विजय प्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा झूठ का पुलिंदा है। इसकी कथनी करनी में जमीन आसमान का अंतर है। गरीब को बसाने के दावे करने वाले भाजपाईयों की सरकार में प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साए में गरीब असहाय लोगों पर लाठियां बरसाते हुए उनके आशियानों पर बुलडोजर चला कर उन्हें उजाड़ दिया। उन्होंने कहा कि जमाई कालोनी के बांशिदे सालों ने उक्त जमीन पर बसे हुए थे और जैसे तैसे गुजारा कर रहे थे। कांग्रेस सरकार में लोगों को बसाने का कार्य किया गया। यह किसी से छुपा नहीं हुआ। लेकिन भाजपा ने आते ही अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर गरीबों को उजाड़ा गया था तो कांग्रेस इसका विरोध करेगी। वहीं लकड़पुर से कांग्रेसी नेता जितेन्द्र भड़ाना जित्ते ने भाजपाईयों पर आरोप लगाते हुए कहा कि सूरजकुण्ड के पास जैन डेरा में भाजपा नेता एवं उनके रिश्तेदार गरीब लोगों को डरा धमका कर थोड़े से पैसे देकर उन्हें उजाडने का डर दिखा कर उनके आशियानों से उजाड़ा जा रहा है।

स्कूल में चल रहे समर कैंप में बच्चों के संग अभिभावकों ने लिया भाग

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में चल रहे पिछले दो हफ्तों से समर कैंप का आज रंगारंग समापन किया गया । स्कूल में चल रहे इस कैंप में जीवा स्कूल के छात्रों के अलावा फरीदाबाद के कई अन्य स्कूली छात्रों ने भी भाग लिया । जीवा स्कूल में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ज़ोर दिया जाता है । इसके साथ ही विद्यालय में छात्रों को समय के सदुपयोग को सिखाने के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है जिसमें यह शिविर भी शामिल है । इस समर कैंप में सभी आयुवर्गों के छात्रों का विशेष ध्यान रखा गया है । इस समर कैंप का मुख्य उद्देश्य ही छात्रों की निपुणता को और अधिक

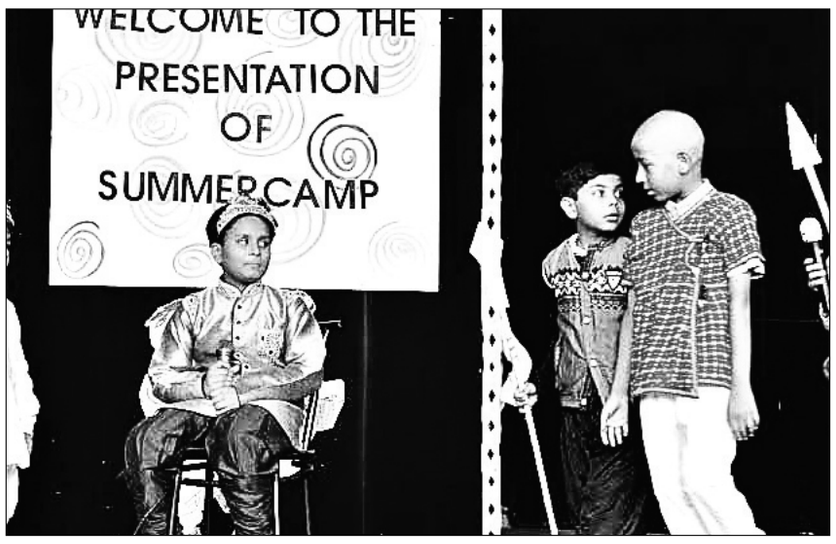

निखारना है। शिविर की गतिविधियों को मल्टीपल इन्टेलिजेंस एवं मल्टीपल नेचर के आधार पर ही निर्धारित किया गया है । समापन के समय सभी प्रतिभागी छात्रों ने अपने-अपने कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुति दी । जीवा पब्लिक स्कूल में आयोजित कैंप में छात्रों के लिए मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद क्रिया-कलापों का आयोजन किया गया । शिविर को दो आयुवर्गों में बाँटा गया, तीन से छ: वर्ष एवं सात से उपर । दोनों ही आयुवर्गों के छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार के गतिविधियों का आयोजन किया गया । प्रत्येक गतिविधियों द्वारा शिक्षाप्रद बातें भी बताई गई । समापन के दिन समर कैंप में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया । बच्चों ने विभिन्न प्रकार के गीतों पर नृत्य भी प्रस्तुत किया, इसके अलावा छात्रों को पर्यावरण के प्रति सचेत किया एवं पर्यावरण के खिलवाड से होने वाले दुष्परिणामों से भी अवगत कराया । कार्यक्रम में एक क्ले मोल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसके अलावा अंग्रेज़ी में छात्रों ने अपनी-अपनी संवाद अदायगी का परिचय दिया । इस समर कैंप में छात्रों को विशेष कर कम्प्यूटर में पिक्चर मेकिंग भी सिखाई गई। छात्रों को इस दौरान कुकिंग विदआउट फायर भी सिखाई गई जिसमें छात्रों ने अनेक चीज़ें सीखी। अपने-अपने फोटो द्वारा मूवी बनाई एवं उनके साथ गीतों का भी संयोजन किया। छात्रों ने अनेक प्रकार के भजन भी सीखे इसके अलावा ड्रामा क्लब में भी छात्रों ने खूब आनंद लिया।

मानव रचना डेंटल कॉलेज के स्टूडेंट्स ने तंबाकू का प्रयोग रोकने के लिए जगाई अलख

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। तम्बाकू को जिसने गले लगाया, मौत ने उसको पास बुलाया, आप सिगरेट को नहीं सिगरेट आपको पीती है। ऐसे कुछ तंबाकू विरोधी नारों से मंगलवार को बीके चौक गूंज उठा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मानव रचना डेंटल कॉलेज (एमआरडीसी) व लायंस क्लब लेक सिटी की ओर से तंबाकू निषेध रैली का आयोजन किया गया। जिले के सीएमओ डॉ. गुलशन अरोड़ा व ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. असीम दास ने रैली को झंड़ी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर एमआरडीसी के स्टूडेंट्स ने बीके चौक पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू का प्रयोग न करने की अलग जगाई। तंबाकू निषेध रैली की शुरुआत बीके चौक से की गई। 100 से अधिक स्टूडेंट्स को लेकर चली रैली बीके चौक से रवाना होकर तंबाकू रोकने के नारों व पट्टियों के साथ मानव रचना हैड ऑफिस आकर रुकी। जहां पर सभी ने तंबाकू का प्रयोग न करने व लोगों को इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराने का प्रण लिया। इस मौके पर जिले के सिविल सर्जन डॉ. गुलशन अरोड़ा ने कहा कि

तंबाकू का प्रयोग न करने के लिए इस खास दिन पर जिस रैली का आयोजन किया गया है, वह सराहनीय है। स्टूडेंट्स ने नुक्कड़ नाटक व नारों की मदद से लोगों को तंबाकू का प्रयोग नहीं करने के लिए प्रोत्साहित किया और इसमें आम जन ने हिस्सा ही लिया। उन्होंने कहा कि तंबाकू एक ऐसी बला है जो कि धीरे धीरे शरीर को खराब कर देती है। एक सिगरेट से 5 मिनट जिंदगी के कम हो जाते हैं। वहीं ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. असीम ने कहा कि एक बीढ़ी है नरक की सीढ़ी, ऐसे में युवाओं को अग्रणी भूमिका निभाते हुए न ही खुद तंबाकू का प्रयोग करना चाहिए, बल्कि अन्य को भी इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताना चाहिए, ताकि तंबाकू रहित राष्ट का निर्माण किया जा सके। इस मौके पर मानव रचना इंटरनैशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. एन.सी.वाधवा ने कहा कि तंबाकू का सेवन एक जन के लिए ही नहीं पूरे समाज के लिए हानिकारक है। यह किसी एक की नहीं बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है कि मिलकर इसका खातमा करे। मानव रचना शैक्षणिक संस्थान समाज के उत्थान के कार्यों में हमेशा अग्रणी रहा है और इस रैली में स्टूडेंट्स ने अपनी पूरी शक्ति व शिद्दत से तंबाकू का प्रयोग नहीं करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया है। कार्यक्रम में मानव रचना शैक्षणिक संस्थान के ट्रस्टी डॉ. एम.एम.कथूरिया, मानव रचना डेंटल कॉलेज के एडवाइजर मेजर जनरल (रिटायर्ड) पी.एन. अवस्थी, लायंस क्लब लेक सिटी के प्रेसिडेंट रमन ग्रोवर व मानव रचना के अन्य डिपार्टमेंट के डीन डायरेक्टर, लायंस क्लब के पदाधिकारी व हेल्थ डिपार्टमेंट के डिप्टी सिविल सर्जन मौजूद रहे।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री को भाजपा के पदाधिकारियों ने दी मुबारकबाद

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री श्री संदीप जोशी का आज फरीदाबाद भाजपा के पदाधिकारियों पूर्व जिलाध्यक्ष अजय गौड, पूर्व महामंत्री ओमप्रकाश रक्षवाल, डा. आर.एन.सिंह, पूर्व मीडिया प्रभारी उमेश भाटी, पूर्व सचिव मुकेश शर्मा, ओमदत्त शर्मा व तरूण शर्मा ने उनके निवास पर जाकर उन्हें फूलों का बुके देकर व पगडी पहनाकर मुबारकबा दी। इस मौके पर संदीप जोशी ने आये हुए सभी भाजपा पदाधिकारियों का आभार जताया और कहा कि पार्टी ने मुझे जो मान सम्मान दिया है उस मान सम्मान को मैं पार्टी की मजबूती को बरकरार रखते हुए व पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाकर उतारूंगा। उन्होंने कहा कि यह मान सम्मान के लिए वह पार्टी के राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हैं जिन्होंने मुझे इतनी बड़ी जिम्मेवारी सें सुशोभित किया। इस अवसर पर अजय गौड, उमेश भाटी, मुकेश शर्मा व ओमदत्त शर्मा ने कहा कि श्री संदीप जोशी ने सदैव पार्टी को उच्च शिखर तक पहुंचाने का प्रयास किया है और उसी का प्रतिफल है कि आज पार्टी ने श्री जोशी को इस पद से नवाजा है। उन्होंने कहा कि संदीप जोशी सदैव पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलते है जिससे पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ का विश्वास श्री जोशी के प्रति काफी है।

फरीदाबाद में मैक्स हॉस्पिटल ने शुरू की OPD

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। उत्तर भारत में अग्रणी अस्पतालों में से एक, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, साकेत ने कल फरीदाबाद में मैक्स मेडसेंटर का शुभारंभ किया। अब फरीदाबाद के निवासी मैक्स मेडसेंटर, फरीदाबाद में मैक्स हास्पीटल, साकेत के विषेशज्ञों से परामर्ष का लाभ उठा सकेंगे। मैक्स हास्पीटल, साकेत के विषेशज्ञ मैक्स मेडसेंटर, फरीदाबाद में सोमवार से षनिवार तक दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक तक ओपीडी परामर्ष के लिए उपलब्ध रहेंगे। विषेशज्ञ रोजना तीन ओपीडी करेंगे और मरीज उनसे सेकेंड ओपिनियन ले सकेंगे। मैक्स साकेत क्लिनिकल प्रोग्राम में उत्कृश्टता तथा मरीजों की देखभाल में उच्च मानकों के लिए प्रख्यात है। यह ट्रांसप्लांट मेडिसीन, न्यूरो विज्ञान, वयस्क एवं बाल कार्डिएक विज्ञान, सम्पूर्ण कैंसर चिकित्सा, रोबोटिक सर्जरी, मिनिमल एक्सेस सर्जरी, वेट लॉस

सर्जरी, मस्कुलोस्केलेटल विज्ञान, प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के अलावा अन्य चिकित्सा विषेशज्ञताओं में उत्कृश्ट चिकित्सा केन्द्र के रूप में मान्य है। रोबोटिक सर्जरी की नवीनतम दा विंसी एक्सआई प्रणाली, रेडिएषन ओंकोलॉजी के लिए नोवालिस टीएक्स, न्यूरो सर्जरी के लिए एषिया के प्रथम ब्रेन स्यूट, कैथ लैब्स और मॉडुलर आपरेषन थिएटर जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस मैक्स साकेत स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अंतर्राश्ट्रीय मानक प्रदान कर रहा है और यहां कई देषों के मरीज अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आते हैं। इसके अलावा, मैक्स साकेत मरीजों की देखभाल एवं सेवा के मामले में सर्वोच्च मानकों के लिए जाना जाता है। हाल में एफआईसीसीआई ने इसे मरीजों की सुरक्षा एवं उपभोक्ता सेवा के क्षेत्र में उत्कृश्टता के लिए स्वीकृति प्रदान की और दिल्ली का यह पहला हास्पीटल बन गया है जिसे एनएबीएच की ओर से नर्सिंग एक्सीलेंस के लिए मान्यता प्रदान की गई हे। मैक्स मेडसेंटर 105, द्वितीय तल, सेक्टर-16, आईसीआईसीआई बैंक के उपर, मेन मार्केट, फरीदाबाद में स्थित है। यहां कार्डियोलॉजी, पेडिएट्रिक कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोइनटेरोलॉजी, गैस्ट्रो सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, ओंको सर्जरी, अस्थि चिकित्सा, आर्थो स्पाइन, पेडिएट्रिक ऑर्थोपेडिक्स, जीआईएमएएस एवं आईवीएफ जैसी विषेशज्ञताओं में ओपीडी संचालित होंगे। मैक्स हेल्थकेयर के आपरेषंस के निदेषक श्री अनिल विनायक ने कहा, ''÷मैक्स साकेत में हम मरीजों को उच्चतम स्तर की सुपर स्पेषियलिटी चिकित्सा एवं देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हृदय प्रत्यारोपण और कृत्रिम हृदय, सम्पूर्ण कैंसर चिकित्सा, रोबोटिक सर्जरी, किडनी प्रत्यारोपण, जीआई सर्जरी, क्रिटिकल केयर मेडिसीन और न्यूरो विज्ञान जैसे क्लिनिकल कार्यक्रमों के लिए हम भारत तथा दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं।

e-mail :
mnewsdaily2008@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अमन गोयल ने किया 18 लाख के विकास कार्यो का शुभारंभ

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। युवा भाजपा नेता अमन गोयल की उपस्तिथि में सेक्टर-15 बीएसएनएल एक्सचेंज के पीछे ललित सैनी (भाजपा मंडल अध्यक्ष) ने आज इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के कार्य का शुभारंभ किया । इस कार्य की लागत तकरीबन 18 लाख रुपए है । सेक्टर- 15 में पहुंचे मंडल अध्यक्ष ललित सैनी और युवा

भाजपा नेता अमन गोयल का स्थानीय लोगों ने फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया । इंटरलोकिंग टाइल्स लगाने का उद्घघाटन होने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। उद्घघाटन के दौरान अमन गोयल ने कहा कि विधायक विपुल गोयल ने चुनाव के दौरान जो वायदे किए थे उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा, फरीदाबाद क्षेत्र में एसी कोई भी समस्या नहीं रहने दी जाएगी जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़े । मंडल अध्यक्ष ललित सैनी और युवा भाजपा नेता अमन गोयल का स्थानीय लोगों ने धन्यवाद किया और विधायक विपुल गोयल द्वारा कराए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि उन्हे अपने विधायक पर गर्व है कि उनहे अपने क्षेत्र की जनता की सभी जरूरतों का पूरा-पूरा ख्याल है । मंडल अध्यक्ष ललित सैनी के सामने स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याएं रखी , समस्याओं में सबसे पहले सीवर , स्ट्रीट लाइट आदि की समस्या जिसे उन्होने जल्द से जल्द दूर करने का आश्वासन दिया । उद्घघाटन के दौरान संजीव कैंथ (आरड्ल्यूए अध्यक्ष), विजय शर्मा, रमेश अग्रवाल, प्रमोद मक्कड़, कुंवर बालू सिंह, लाजपत राय, हीरा सिंह सैनी, त्रिलोक सिंगला, विरेंद्र सैनी, राजीव रंजन, सुरेंद्र सचदेवा, पीपी सिंह, मनदीप कौर व अन्य लोग मौके पर मौजूद थे।

देवेन्द्र चौधरी ने 18 लाख के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी सबका साथ सबके विकास को अहमियत देती है और पूरे फरीदाबाद लोकसभा में एक सामान विकास कार्य करवाए जा रहे हैं । यह विचार केंद्रीय राज्य मंत्री एवं फरीदाबाद के सांसद कृष्णपाल गुर्जर के सुपुत्र एवं जिला भाजपा महामंत्री देवेन्द्र चौधरी ने रविवार डबुआ कालोनी के वार्ड

नंबर आठ बी ब्लाक मस्जिद के सामने वाली गली 18 लाख की लागत से विकास कार्यों का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किया । भाजपा महामंत्री चौधरी ने कहा कि फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक सामान विकास कार्य करवाए जा रहे हैं । वार्ड की कई गलियों बदहाल गलियों की शिकायत स्थानीय लोगों ने वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश फागना से की थी और फागना ने केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृषणपाल गुर्जर को इस समस्याओं से अवगत कराया था जिसके बाद रविवार को इन गलियों के निर्माण कार्य का चौधरी के हांथों विधिवत उद्घाटन हुआ । उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए भाजपा युवा मोर्चा के कोषाध्यक्ष यशवीर डागर एवं सतीश फागना ने कहा कि आने वाले समय में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री गुर्जर के आशिर्बाद से वार्ड की सभी गलियां पक्की हो जाएंगी एवं अन्य विकास कार्यों की रफ़्तार और तेज होगी । डागर एवं फागना ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय राज्य मंत्री श्री गुर्जर के आशिर्बाद से पूरे फरीदाबाद में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और फरीदाबाद को स्मार्ट सिटी बनाने में केंद्रीय राजयमंत्री का अहम योगदान है । उन्होंने कहा कि आने वाले समय में डबुआ कालोनी के निवासियों को किसी भी तरह की समस्याएं नहीं झेलनी पड़ेंगी । इस मौके पर विधायक नागेंद्र भड़ाना, भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष यशवीर डागर, मंडल अध्यक्ष कविंदर फागना, मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार, सुरेश पाठक, अवतार सिंह, भगवान् सिंह, आर एन सिंह, राजकुमार वोहरा, मनोज वालियान मनोज नासवा, राजेश, भोला, बालेश्वर, सोनी जी, रत्नेश, पंकज शर्मा, अदि प्रमुख रूप से मौजूद थे । स्थानीय निवासियों ने भाजपा महामंत्री देवेंदर चौधरी और यशवीर डागर को क्षेत्र की कई समस्याओं से अवगत कराया जिसपर उन्होंने कहा इन सारी समस्याओं को जल्द से जल्द सुलझाया जाएगा ।

विकास कार्यो के लिए ष्टरू का कार्यकाल सवर्णिम काल कहलाएगा : सीमा त्रिखा

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। आपसी सामजस्य ,विकास कार्यों की धूरी है, जिसके बल पर विकास कार्यो को समय रहते पूरा किया जा सकता है। यह विचार मुख्य संसदीय सचिव सीमा त्रिखा ने दयाल बाग में 20 लाख रूपये के सिवरेज निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ करने उपरांत उपस्थित क्षेत्रवासियों को सम्बोधित करते हुए कहे। श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि बडख़ल विधान सभा क्षेत्र में आधार भूत रूप से विकास कार्यो को तेजी से पूरा किया जा रहा है जिसमें

मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर मुहैया कराने के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए है। बडख़ल विधान सभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यो की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सबंधित क्षेत्रों में विकास कार्यो हेतू 40 करोड़ रूपये की डीपीआर बनाई जा चुकी है जिसके अंर्तगत दयालबाग, सहित ,शिवदुर्गा विहार, लक्कडपुर में विकास कार्यो को कराया जाने का प्रावधान है। मुख्य संसदीय सचिव ने कहा कि विकास कार्यो को और अधिक तेजी से कराए जाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यो को अंजाम दिया जा रहा है।

पहले चरण में मिलेंगे 2600 करोड़ : गुर्जर

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रहनुमाई में फरीदाबाद को भी देश के शुरूआती स्मार्ट सिटीज की श्रेणी में दर्जा देकर शहरवासियों की उम्मीदों से भी बढक़र काम किया है और फरीदाबाद के खोए हुए गौरव को पुन- वापिस लौटाने के वायदे का भी पूरा करके दिखाया है। यह विचार केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री एवं फरीदाबाद के सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने फरीदाबाद को दूसरे ग्रुप के 13 स्मार्ट सिटीज में शामिल होने पर आज यहां स्थानीय सैक्टर-15ए स्थित हुडा जिमखाना क्लब के सभाकक्ष में आयोजित प्रैस कान्फ्रैंस को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए प्रकट किए। इस मौके पर हरियाणा सरकार की मुख्य संसदीय सचिव एवं बडख़ल हलके की विधायक सीमा त्रिखा, बल्लबगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा, फरीदाबाद एन.आई.टी. के विधायक नगेन्द्र

भड़ाना, भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट गोपाल शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष अजय गौड़, वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप जोशी, नयनपाल रावत, यशवीर डागर, देवेन्द्र चौधरी, उपायुक्त चन्द्रशेखर, नगर निगमायुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त डा आदित्य दहिया तथा पुलिस आयुक्त डा0 हनीफ कुरैशी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। श्री गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 6 अक्तूबर 2014 को स्थानीय दशहरा मैदान एन.आई.टी. में आयोजित रैली में फरीदाबाद की जनता से जो शहर के गौरव को लौटाने का वायदा किया था उन्होंने अनूठी परियोजनाओं और अब फरीदाबाद को स्मार्ट सिटी में शामिल करवाकर उसे बखूबी निभाया है। उन्होंने कहा कि इसके परिणाम स्वरूप हम सभी देखेंगे कि निर्धारित लागत राशि 2601 करोड़ रूपए के फलस्वरूप निकट भविष्य में ही फरीदाबाद विकास की नई बुलन्दियों को छूकर देश के खूबसूरत और सुविधायुक्त शहरों की कतार में अग्रणी होगा। श्री गुर्जर ने जिला के पत्रकारों द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए अनेक प्रश्नों के काफी विस्तृत एवं तसल्लीपूर्वक जवाब दिए। श्रीमती त्रिखा ने कहा कि फरीदाबाद स्मार्ट सिटी प्लान में उनके बडख़ल हलके के गांव फतेहपुर चंदीला व अन्य रिहायशी बस्तियों को आदर्श बनाने के साथ-साथ बडख़ल झील को पानी से लबालब भरकर पुन- गुलजार करने का सपना भी साकार होगा। विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि उनका समूचा बल्लबगढ़ हलका नगर निगम क्षेत्र में ही आता है। वर्तमान केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की सभी अनूठी योजनाओं विशेषकर स्मार्ट सिटी अभियान के फलस्वरूप बल्लबगढ़ भी नया स्वरूप हासिल कर सकेगा।

मेरी जाति हिन्दूस्तानी के तहत निकालेगी क्रान्ति मार्च

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी आगामी 29 मई को 'मेरी जाति हिन्दूस्तानी' के तहत क्रान्ति मार्च निकालेगी इसी क्रांन्ति मार्च को सफल बनाने के लिए आज आम आदमी पार्टी के नेता धर्मवीर भडाना ने अपने कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया एवं इस क्रान्ति मार्च में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आव्हान किया। श्री भडाना ने बताया कि इस क्रान्ति मार्च को रवाना हरियाणा के प्रभारी श्री नवीन जयहिन्द करेंगे। भडाना ने कहा कि इस क्रान्ति मार्च के माध्यम से हम जनता को इस बात के लिए जागृत करना चाहेंगे कि अब आप बहकावे में ना आये और आम आदमी पार्टी के साथ जुड़े क्योकि एक हमारी पार्टी ही ऐसी पार्टी है जो कि आपके सुख दुख की साथी बनकर आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी। उन्होंने कहा कि इस क्रान्ति मार्च का मुख्य ध्येय हरियाणा में सामाजिक

सदभाव व सौहार्द को मजबूत बनाये रखा जा सके। धर्मवीर भडाना ने कहा कि हरियाणा का सामाजिक सौहार्द का ताजा बाना आज पूरी तरह से बिखर चुका है और उसी को एकजुट करने के लिए आम आदमी पार्टी ने यह मुहिम चलायी है जिसे सफल बनाने में हम सभी को अपना सहयोग देना है। इस अवसर पर वरिष्ठ आप नेता विद्या सागर कौशिक, राजूददीन, सुनील ग्रोवर, मोहित गुप्ता, इमरत खान ने कहा कि इस क्रान्ति मार्च में पहुंचने वाली भीड़ वर्तमान सरकार को यह सोचने पर मजबूत कर देगी कि अब उनके सत्ता से जाने के दिन की शुरूआत हो गयी है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने सदैव जनता के हित के लिए संघर्ष किया है और सदैव करती रहेगी। बैठक में विनोद भडाना, संजय नागर, करतार, सुरेश शर्मा, के वी भडाना, श्याम वीर भडाना, देवेन्द्र, विजय यादव, सतपाल अवाना, राजू पांचाल, एडवोकेट वालिया, मनोज अघौरी, अशोक त्यागी सहित अन्य आप कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मोदी सरकार ने देश में निराशा, हताशा के माहौल को बदला : रेनू

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। कें द्र की एनडीए सरकार ने देश में हताशा, निराशा के माहौल को बदला है। देश की लगभग तीन चौथाई जनता ने मान लिया है कि केंद्र की मोदी सरकार ने विकास की रफ्तार पकड़ ली है। भाजपा के कार्यकाल में गरीबों के लिए निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन, स्वास्थ्य बीमा सुविधा, वंचितों को बैंकिंग सेवा के दायरे में लाने, असुरक्षित लोगों को सामाजिक सुरक्षा कवर, किसानों को राहत, प्रत्यक्ष नकद अंतरण के तहत सब्सिडी मुहैया कराना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्वच्छ भारत, वन रैंक-वन पेंशन, गांव में बिजली पहुंचाने, कालेधन पर रोक पर निर्णायक पहल जैसी जनहितकारी योजनाएं सरकार ने सफलतापूर्वक लागू की गई हैं। उक्त शब्द प्रदेश प्रवक्ता रेनू भाटिया ने मोदी सरकार के दो साल का कार्यकाल पूर्ण होने पर कहे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 'छंट रहा गांव का अंधेरा' के तहत इस बात को रेखांकित किया कि आजादी के 67 साल बाद भी अंधेरे में रह रहे 18 हजार गांवों में बिजली आएगी। सरकार ने इस पहल को आगे बढ़ाते हुए अब 7779 ऐसे गांव में बिजली मुहैया कराने का कार्य किया है जहां बिजली नहीं पहुंची थी। इसके साथ ही वन रैंक, वन पेंशन के मसले को सुलझाते हुए चार दशक पुरानी लंबित मांग की अधिसूचना जारी की गई। काले धन पर रोक के लिए निर्णायक और बहुआयामी पहल की गई है। अब बिना शौचालय के कोई स्कूल नहीं है और एक साल में स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय अभियान का 100 फीसदी लक्ष्य पूरा किया गया है। इसके साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस से जुड़ी फाइलें सार्वजनिक की गई हैं। भाटिया ने कहा कि देश में उत्तरदायी और पारदर्शी शासन की पहल की गई और स्मार्ट गवर्नेंस के तहत ई कोर्ट परियोजना के दूसरे चरण को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही अदालतों में आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने की पहल की गई है। पार्टी ने सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल को आगे बढ़ाया गया है।

विपुल गोयल ने किया 500kw के सोलर एनर्जी प्लांट का उद्घघाटन

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। सेक्टर 6 स्थित शिवालिक प्रिंटस लिमिटेड , प्लॉट नंबर 7, में आज फरीदाबाद का पहला 500 चद्ध के सोलर एनर्जी प्लांट का उद्घघाटन विधायक विपुल गोयल द्वारा किया गया । जिसकी लागत तकरीबन 2.80 करोड़ रूपए है । विधायक विपुल गोयल का मौके पर मौजूद फरीदाबाद इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन (एफआईए) के लोगों ने गुलदस्ता भेंट कर जोरदार स्वागत किया ।

विधायक विपुल गोयल ने शिवालिक प्रिंटस लिमिटेड के मालिक नरेंद्र अग्रवाल का और एफआईए के लोगों को 500द्ध2 का सोलर एनर्जी प्लांट शुरू करने पर बधाई दी और कहा कि जिस तरह से ओधोगिक क्षेत्र के लोग सोलर एनर्जी प्लांट लगाने में अपनी रुचि दिखा रहे है यह एक अच्छा संकेत है विपुल गोयल ने बताया कि आज कल सोलर का जमाना है हमारे प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी जिस तरह से सोलर एनर्जी को लेकर लोगों को प्रोत्साहित कर रहे है उसका परिणाम लोगों के बीच साफ दिखाई दे रहे है । साथ ही विपुल गोयल ने कहा कि लघु उद्योगों को भी सोलर एनर्जी की तरफ आगे आना चाहिए अगर कहीं उनके सामने फाइनेंस की परेशानी आएगी तो उनकों लोन की सुविधा दिलाने के लिए सरकार से बात की जाएगी । उन्होने बताया कि सोलर एनर्जी प्लांट के लगने से बिजली की खपत कम होगी । शिवालिक प्रिंटस लिमिटेड के मालिक नरेंद्र अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी से प्रोत्साहित होकर ही शिवालिक प्रिंटस ने एसा कदम उठाया है । उन्होने बताया कि एक मार्च को उनकी टीम द्वारा सोलर एनर्जी प्लांट लगाने पर चर्चा की गई जिसके बाद सोलर एनर्जी प्लांट लगाने के लिए जगह का सर्वे कराया गया । उन्होने बताया सोलर प्लांट लगाने के लिए आरईसी सिंगापुर पैनल (कंपनी) और एसएमए जर्मनी (कंपनी) से सोलर पावर प्लांट के लिए इनवरटर्स इंपोर्ट कराए गए । साथ ही उन्होने बताया कि अरविंद इलेक्ट्रिकल्स (फरीदाबाद) की मदद से 3 वर्किंग हफ्तों में सोलर प्लांट का इंस्टॉलेशन किया गया । 27 मार्च को पहले फेस में 500द्ध2 सोलर प्लांट का इंस्टॉलेशन किया गया उसके बाद उसे तकरीबन 50 दिन तक ट्रायल पर चलाया गया ।

इण्डियन बैंक एवं क्यूआरजी सैन्ट्रल अस्पताल ने किया निशुल्क चिकित्सा

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। शिविर इण्डियन बैंक एवं क्यूआरजी सैन्ट्रल अस्पताल के सौजन्य से विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन नीलम बाटा रोड स्थित इण्डियन बैंक की शाखा में किया गया। शिविर का शुभारंभ इण्डियन बैंक के चीफ मैनेजर श्री रेशम लाल द्वारा किया गया। इस मौके पर श्री रेशमलाल ने कहा कि इस तरह के चिकित्सा शिविरों का समय समय पर आयोजन किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इण्डियन बैंक इस तरह की गतिविधियों में सदैव अपने आपको सम्मिलित रखता है ताकि समाजसेवा में भी इण्डियन बैंक अग्रणीय भूमिका निभाता रहे। उन्होंने कहाकि इस चिकित्सा कैम्प में क्यूआरजी सैन्ट्रल अस्पताल के डाक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है और उनके ही डाक्टरों द्वारा आये हुए लोगो के स्वास्थ्य की जांच की गयी। इस अवसर पर डा. गजेन्द्र गोयल एचओडी कार्डियोलौजीस्ट, डा. एस.के. शर्मा एम डी

मेडिसन, इण्डियन बैंक शाखा बडखल से सुशील गुलाटी, शाखा सैक्टर 17 से दीपांशु सहित डी के अग्रवाल, नीरज, अचिंत, पूजा, वरूण, रविन्द्र, चेतन, शिवा, नीरू आनंद, हुकम, निशात आदि उपस्थित थे। इस जांच शिविर में मधुमेह रोग, ईसीजी का आये हुए मरीजों की जांच की गयी। शिविर के आयोजन में अस्पताल से नर्सिंग टीम और साथ में मार्किटिंग से मो. परवेज और अश्वनी बवेजा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। लगभग 150 मरीजों की जांच की गयी।

सेहत की कीमत पर विकते खाद्य

पिछले दिनों मैगी विवाद ने खाने-पीने की चीजों में मिलावट के मामले को चर्चा का विषय बना दिया था। ताजा मामला डबल रोटी में खतरनाक रसायनों के मिलाने का है। बहुत सारे घरों में सुबह नाश्ते के समय खाई जाने वाली ब्रेड और बेकरी के उत्पादों में कैंसर पैदा करने वाले रसायनों का इस्तेमाल हो रहा है।

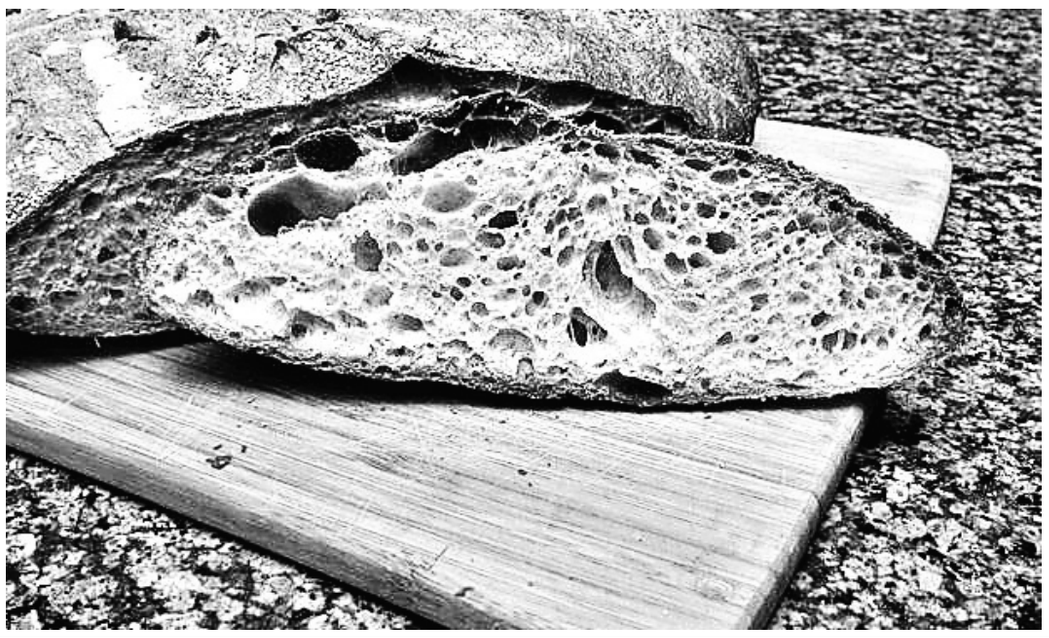

पिछले दिनों मैगी विवाद ने खाने-पीने की चीजों में मिलावट के मामले को चर्चा का विषय बना दिया था। ताजा मामला डबल रोटी में खतरनाक रसायनों के मिलाने का है। बहुत सारे घरों में सुबह नाश्ते के समय खाई जाने वाली ब्रेड और बेकरी के उत्पादों में कैंसर पैदा करने वाले रसायनों का इस्तेमाल हो रहा है। सेंटर फार साइंस एंड इनवार्नमेंट (सीएसई) ने ब्रेड, पाव, बन, बर्गर ब्रेड और पिज्जाब्रेड आदि के अड़तीस नमूनों की जांच की। इनमें से चौरासी फीसद नमूनों में पोटेशियम ब्रोमेट और आयोडेट के अंश मिले। ब्रेड बनाने के दौरान आटे में इन नुकसानदेहरसायनों का इस्तेमाल किया जाता है। लगभग सभी अव्वल ब्रांडों के ब्रेड उत्पादों में ये रसायन मिले हैं। इन रसायनों को कई देशों में प्रतिबंधित किया जा चुका है। इन रसायनों के बिना भी ब्रेड बनाया जा सकता है। इस संदर्भ में केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री ने अफसरों को तुरंत जांच करके रिपोर्ट देने को कहा है। चिकित्सक कई बीमारियों के लिए मिलावटी खाद्य पदार्थों को ही जिम्मेवार बताते हैं। जिगर, दिल की बीमारियों और कैंसर के मामलों के तेजी से बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाद्य पदार्थों में मिलावट है। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने की तमाम कोशिशों के बाद भी बाजार में मौजूद खाने-पीने की ज्यादातर चीजों के शुद्ध देने का भरोसा नहीं किया जा सकता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआइए) द्वारा तैंतीस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कराए गए सर्वे में झारखंड, बिहार, ओड़िशा, छत्तीसगढ़ व पश्चिम बंगाल के शत-प्रतिशत दूध नमूनों में मिलावट पाई गई। दक्षिण के राज्यों में भी दूध में मिलावट का धंधा फल-फूल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार दूध में फैट, एसएनएफ, ग्लूकोज, स्टार्च, साल्ट, वेजीटेबल फैट, पाउडर, एसिड आदि तत्त्व पाए गए। पानी की मात्रा भी अधिक पाई गई। कई नमूनों की जांच में तो डिटर्जेंट व यूरिया जैसे खतरनाक तत्त्व भी पाए गए। सिर्फ गोवा और पुदुच्चेरी में सभी नमूने सही पाए गए। एफएसएसआइए ने देश भर से जांच के लिए 1791 नमूने लिये थे। इनमें उनहत्तर फीसद नमूनों में मिलावट पाई गई। सिंथेटिक दूध से लेकर जहरीला सिंथेटिक घी भी बाजार में बिक रहा है। यह भारत ही है जहां इस कदर हो रही मिलावट को सरकार भी बर्दाश्त करती रहती है और जनता भी। दिल्ली सरकार ने मिलावटखोरी को रोकने के लिए एक नया कानून लागू करने की घोषणा की थी। इसके तहत दोषी पाए गए लोगों को दस लाख रुपए तक का जुर्माना या आजीवन कारावास तक की सजा होगी। कुछ साल पहले केंद्र सरकार ने भी लगभग इसी आशय की घोषणा की थी, जिसमें मिलावटखोरों के खिलाफ सख्ती बरतने के साथ-साथ जांच में गड़बड़ी करने वाले निरीक्षकों को भी दंडित करने की बात थी। लेकिन व्यवहार में अभी तक कुछ नहीं हुआ है और मिलावट के धंधेबाज धड़ल्ले से सक्रिय हैं। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के कई जिलों में मिलावटी वस्तुओं के उत्पादन का धंधा बड़े पैमाने पर होता है। मिलावट के कारोबार में मध्यप्रदेश भी पीछे नहीं है। पशुओं से अधिक दूध निकालने या सामान्य से ज्यादा सब्जियों के उत्पादन के लिए ऑक्सीटोसिन नामक हारमोन का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जाता है। इसके अलावा, फलों को समय से पहले पकाने या सब्जियों को दिखने में ताजा और आकर्षक बनाने की खातिर भी कई घातक रसायनों का प्रयोग वे करते हैं। दालों को चमकीला बनाने के लिए या मसालों में जिन रंगों का प्रयोग किया जाता है, उनका असर किसी से छिपा नहीं है। तंत्रिका तंत्र, हृदय, गुर्दे से संबंधित कई गंभीर बीमारियों के कारण ये कैंसर तक की वजह बन सकते हैं। सिंथेटिक दूध रासायनिक उर्वरकों (यूरिया), वनस्पति घी, डिटर्जेंट, ब्लीचिंग पाउडर व चीनी को मिला कर बनाया जाता है तथा सस्ते दामों पर बेचा जाता है। दूध की कमी के दौर में अगर सस्ता दूध मिल जाए तो गरीब आदमी उसे खरीदेगा ही। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ तत्त्व सिंथेटिक दूध बनाने के मामले में चर्चित रहे हैं। उनकी धनलिप्सा ने न जाने कितने लोगों व बच्चों को कैंसर का मरीज बना दिया होगा। सिंथेटिक दूध को लेकर शोर-शराबा तो काफी मचा लेकिन किसी के पकड़े जाने व दंडित होने का समाचार नहीं मिला। इससे ऐसे तत्त्वों का दुस्साहस बढ़ा और अब सिंथेटिक देसी घी की बड़े पैमाने पर हो रही बिक्री ने लोगों के कान खड़े कर दिए हैं। इस तरह का धंधा सबसे अधिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में होता है। कुछ मामले पकड़े भी गए हैं। पर उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई यह किसी को पता नहीं है। कुछ ताकतवर माफिया किस्म के राजनीतिक ऐसे धंधों के संरक्षक हैं और प्रदेश की सत्ता तक उनकी पहुंच होने के कारण कानून उनका बाल भी बांका नहीं कर पाता है। पर यह समाज, राष्ट्र और प्रदेश की जनता के साथ भारी धोखा है। विशेषज्ञों के अनुसार सिंथेटिक दूध और घी बनाने में मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक रसायनों, उर्वरकों, कीटनाशकों, करूड वैक्स तथा इंडोनेशिया से आयातित पाम ऑयल (स्टाइरिन), तंबाकू व जूट का तेल इस्तेमाल किया जाता है। यह पाम ऑयल सस्ता तथा साबुन व डिटर्जेंट बनाने में इस्तेमाल होता है। इस सारे मिश्रण को देसी घी का रूप देने के लिए घी की खुशबू वाला एसैंस व रंग मिलाया जाता है। ये सब चीजें ऐसी होती हैं जो कैंसर पैदा करती हैं। लोगों को भ्रमित करने के लिए इस नकली घी के निर्माता इसकी पैकिंग पर अपने जाली पते छापते हैं। इतना ही नहीं, लोगों को आकर्षित करने के लिए घी की पैकिंग पर लोकप्रिय से लगने वाले ब्रांडों के नाम अंकित किए जाते हैं। दिल्ली समेत उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अस्सी से अधिक जाली ब्रांडों पर यह जहरीला घी बिक रहा है। यही नहीं, वे लोगों को भ्रमित करने के लिए इस घी के पैकेटों व डिब्बों पर 'एगमार्क' भी छापते हैं। उल्लेखनीय है कि 'एगमार्क' की मोहर वही उत्पादकअपने उत्पादों पर इस्तेमाल कर सकता है जिसकी शुद्धता खाद्य व स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रमाणित हो तथा जिसके पास शुद्धता बनाए रखने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रयोगशाला हो तथा वह कड़े मानदंडों का पालन करता हो। ऐसा लगता है कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे इन नकली घी निर्माताओं तथा 'एगमार्क' का प्रमाणपत्र देने वाले अधिकारियों, सरकारी जांच एजेंसियों व राज्य सरकारों के अधिकारियों के बीच मिलीभगत है। दिल्ली डेयरी प्रोडक्ट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अनुसार इस समय गाय-भैसों के दूध से तीन हजार टन असली देसी घी रोजाना ानाया जाता है, वहीं सिंथेटिक देसी घी बनाने वाले रोजाना चार हजार टन माल बाजार में बिक्री के लिए भेजते हैं तथा बारह हजार करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि डकार जाते हैं। कुछ माह पूर्व पंजाब और पूर्वी उ.प्र. के कुछ शहरों में सहकारी क्षेत्र की एक प्रमुख दुग्ध पदार्थ निर्माता कंपनी की पैकिंग से मिलती-जुलती पैकिंग में मिलावटी घी पकड़ा गया था। दुर्भाग्य से, और सरकार की नाकामी से, आज लोगों को खतरनाक नकली दूध व नकली घी खाने को मजबूर होकर स्वास्थ्य से हाथ धोना पड़ रहा है। इस संकट से निपटने के जो उपाय फिलहाल लागू हैं वे इतने लचर हैं कि नकल का धंधा आसानी से फलता-फूलता रहता है। न तो निगरानी और जांच का तंत्र काम करता दिखता है और न कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ पाती है। पुलिस ऐसे अपराधों को गंभीरता से नहीं लेती, इसलिए वह अपनी तरफ से छापेमारी में दिलचस्पी नहीं लेती।

जश्न और जज्बा

नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर जितने बड़े पैमाने पर जश्न मनाया, वैसा शायद ही किसी सरकार ने मनाया हो। इंडिया गेट पर आयोजित समारोह में न सिर्फ सरकार और पार्टी से जुड़े लोगों ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, बल्कि उसमें फिल्मी दुनिया और दूसरे क्षेत्रों की हस्तियों ने भी शिरकत की। दूरदर्शन पर पांच घंटे का विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया। अपनी उपलब्धियों और कामकाज के बारे में लोगों तक सूचनाएं पहुंचाना सरकार का दायित्व है, पर उसका तरीका क्या हो, इस पर भी ध्यान देने की जरूरत होती है। नरेंद्र मोदी अपने कामकाज के प्रचार को लेकर शायद अब तक के सबसे मुखर प्रधानमंत्री हैं। इसलिए सरकार के दो साल पूरे होने पर ऐसे समारोह का आयोजन हैरान करने वाला नहीं था। मगर अब मोदी सरकार के लिए गंभीरता से सोचने का समय है कि क्या सचमुच वह सब कुछ हुआ है या हो रहा है, जिसका वादा उसने लोकसभा चुनावों के समय और सरकार बनने के बाद किया था। विकास का मुद्दा मोदी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए कई योजनाएं बनीं, फैसले हुए, मगर मूल्यांकन करने की जरूरत है कि क्या वास्तव में उसके मुताबिक नतीजे आए हैं। हालांकि किसी बड़े बदलाव के लिए दो साल का वक्त पर्याप्त नहीं होता, कई योजनाओं के नतीजे लंबे समय बाद पता चलते हैं, पर इतने समय में सरकार के कामकाज की गति का अंदाजा तो लग ही जाता है। तमाम एजंसियों ने विभिन्न मुद्दों पर सर्वेक्षण कराए, जिनसे मोदी सरकार के कामकाज का पता चलता है। सरकार को उन तमाम बिंदुओं पर तफ्सील से विचार करने और उसके अनुसार आगे बढ़ने की जरूरत है। सरकार को खासकर विकास के मामले में गंभीरता पूर्वक ध्यान देने की जरूरत है। विकास का मतलब सिर्फ कुछ कंपनियों को औद्योगिक इकाइयां लगाने के लिए प्रोत्साहित करना या फिर उनके लिए अनुकूल माहौल तैयार कर देना नहीं है।

प्रधानमंत्री ने बहुत सारे देशों की यात्रा की और वहां रह रहे भारतीयों को निवेश के लिए आमंत्रित किया, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसी योजनाएं शुरू कीं, मगर हकीकत यह है कि अपेक्षित विदेशी निवेश आकर्षित नहीं हो पा रहा। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उसकी खपत के लिए बाजार तलाशना भी जरूरी है, मगर निर्यात के मोर्चे पर कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं दिख रही। जीडीपी में अनेक क्षेत्रों का योगदान घटा है। छोटे और मंझोले उद्योगों की स्थिति में सुधार की कोई सूरत नजर नहीं आ रही। यही वजह है कि नए रोजगार पैदा करने के मामले में मोदी सरकार को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई के मोर्चे पर भी थोक मूल्य सूचकांक में भले कुछ राहत दर्ज दिख रही हो, पर खुदरा बाजार में उपभोक्ता के माथे पर शिकन बरकरार है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई उत्साहजनक प्रयास नजर नहीं आता। किसानों की दशा जस की तस बनी हुई है।

पर उपदेश

हरियाणा के पुलिस प्रधान केपी सिंह के एक बयान को लेकर स्वाभाविक ही विवाद खड़ा हो गया। पिछले हफ्ते हरियाणा के जींद में 'पंचायती राज में पुलिस की भूमिका' विषय पर सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर आम इंसान किसी को किसी महिला के साथं दुराचार करते देखे या किसी संपत्ति को जलाए जाते या किसी की हत्या की कोशिश किए जाते देखे, तो कानून उसे इस तरह की घटनाओं में लिप्त व्यक्ति की जान लेने का अधिकार देता है। विवाद उठने के बावजूद डीजीपी महोदय ने अपने बयान को सही ठहराने की कोशिश की है। उनकी दलील है कि उन्होंने वही कहा जो भारतीय दंड संहिता की धारा 100 और 103 में लिखा है। लेकिन सवाल है कि आत्मरक्षा के अधिकार या संकट में पड़े किसी व्यक्ति की मदद में उठाए जाने वाले आपातकालीन कदम को क्या इस तरह व्याख्यायित किया जा सकता है कि पुलिस की ड्यूटी और आम आदमी के सरोकार का फर्क मिटता हुआ लगे? आत्मरक्षा की हिंसा और हमले के तौर पर की गई हिंसा में कानून हमेशा फर्क करता आया है और अदालतें परिस्थितियों को ध्यान में रख कर ही उन पर विचार करती हैं। यह केवल भारतीय दंड संहिता की नहीं, सारी दुनिया के विधि-विधान की एक सामान्य बात है।

पर घोर संकटकाल को ध्यान में रख कर जो प्रावधान किए गए होंगे, उनको अगर आम नागरिक के आम कर्तव्य का आह्वान मान लिया जाएगा, तो उससेकई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। कोई किसी को सबक सिखाने के इरादे से की गई हिंसा के लिए भी वैसी ही दलील पेश कर सकता है। जहां इरादतन या साजिशन न हो, वहां महज शुबहे की बिना पर भी कानून हाथ में लेने का खतरा हो सकता है। फिर दंगे जैसी परिस्थितियों में, जब सांप्रदायिक नफरत चरम पर होती है, किसी की हत्या को आत्मरक्षा की बिना पर या आगजनी रोकने के लिए की गई कार्रवाई बता सही ठहराने की कोशिश हो सकती है। बेशक इस बारे में अदालत का ही फैसला माना जाएगा, पर एक आला पुलिस अफसर को किसी कानूनी प्रावधान के बारे में इस तरह नहीं बोलना चाहिए कि उसके दुरुपयोग का अंदेशा पैदा होता हो। विवादित बयान से दूसरा सवाल यह उठता है कि क्या अपराध इसलिए नहीं रोके जा पा रहे हैं कि पुलिस बल अपर्याप्त है, और नागरिकों को कई दफा पुलिस जैसी भूमिका में आ जाना चाहिए? आम अनुभव यह है कि बहुत बार पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है; जहां उसे स्वतः संज्ञान से कार्रवाई करनी चाहिए, शिकायत करने और बार-बार गुहार लगाने के बावजूद टस से मस नहीं होती। हाल में हरियाणा में जाट आंदोलन की हिंसा के दौरान लोगों को यह अनुभव जगह-जगह हुआ। जहां पुलिस अपने दायित्व से भाग खड़ी होती हो, वहां किसी प्रावधान की मनमानी व्याख्या कर आम नागरिकों से अपराध रोकने का आह्वान करने का क्या मतलब है? सही है कि अपराध के खिलाफ नागरिकों को सचेत और सक्रिय होना चाहिए। यह बहुत बार देखने में आता है कि लोग बदमाशों से किसी को घिरा देख कर भी चुप रह जाते हैं। दरअसल, इस नागरिक निष्क्रियता और खामोशी को तोड़ने की जरूरत है, न कि किसी प्रावधान के नाम पर कानून हाथ में लेने की। पर एक डीजीपी को पहले इस बात की फिक्र होनी चाहिए कि क्या पुलिस अपना दायित्व ठीक से निभा रही है?

बेरोजगारी बढ़ने के सबब

पिछले दिनों प्रकाश में आई 'एस्पाइरिंग माइंड्स' की 'नेशनल इम्पालयबिलिटी रिपोर्ट' चिंतित करने वाली है। यह रिपोर्ट बताती है कि इंजीनियरिंग डिग्री रखने वाले स्नातकों में कुशलता की कमी है और उनमें से करीब अस्सी फीसद स्नातक रोजगार के काबिल नहीं हैं। गौरतलब है कि यह रिपोर्ट देश भर के साढ़े छह सौ से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों के तकरीबन डेढ़ लाख इंजीनियरिंग छात्रों पर किए गए अध्ययन पर आधारित है। चंद सप्ताह पहले एसोचैम की एजुकेशन कमेटी के सर्वेक्षण से भी जाहिर हुआ कि देश में चल रहे साढ़े पांच हजार बिजनेस स्कूलों में से सरकार द्वारा संचालित भारतीय प्रबंध संस्थानों तथा कुछ मुट्ठी भर संस्थाओं को छोड़ कर शेष सभी स्कूलों व संस्थाओं से डिग्री लेकर निकलने वाले ज्यादतर छात्र-छात्राएं कहीं भी रोजगार पाने के लायक नहीं। रिपोर्ट की मानें तो भारतीय प्रबंध संस्थानों को छोड़ कर अन्य संस्थानों से पढ़ कर निकलने वाले पेशेवरों में से केवल सात फीसद रोजगार पाने के लायक बन पाते हैं। हालत यह है कि इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री रखने वाले बड़ी संख्या में लोग दस हजार रुपए से कम की पगार पर नौकरी कर रहे हैं, जो एक किस्म से अर्द्धबेरोजगारी ही है। इसका असर यह हुआ है कि पिछले दो साल के दौरान दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, अमदाबाद, लखनऊ, हैदराबाद, देहरादून आदि शहरों में करीब सवा दो सौ बिजनेस स्कूल बंद हो चुके हैं। कुछ यही हाल इंजीनियरिंग कॉलेजों की भी है। इसके अलावा शिक्षा की निम्न गुणवत्ता की वजह से 2014 से 2016 के बीच कैंपस रिक्रूटमेंट में भी पैंतालीस फीसद की गिरावट आई है जिसके फलस्वरूप बेरोजगारी-दर में वृद्धि हो रही है। पिछले साल श्रम मंत्रालय की इकाई श्रम ब्यूरो द्वारा जारी ताजा सर्वेक्षण रिपोर्ट में भी कहा गया कि भारत में बेरोजगारी की दर 2013-14 में बढ़ कर 4.9 फीसद पहुंच गई है। गौरतलब है कि 2012-13 में यह दर 4.7 फीसद थी। श्रम ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक देश के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर 2013-14 में घट कर 5.5 फीसद पर आ गई है जो इससे पहले के वित्तवर्ष में 5.7 फीसद थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में सबसे कम बेरोजगारी की दर 1.2 फीसद गुजरात में, और सबसे अधिक बेरोजगारी दर सिक्किम में रही। अध्ययन के मुताबिक गुजरात में पंद्रह साल से अधिक उम्र के प्रति एक हजार लोगों में बेरोजगारी दर बारह रही जबकि कर्नाटक में यह अठारह, महाराष्ट्र में अट्ठाईस, मध्यप्रदेश में उनतीस और तेलंगाना में तैंतीस, अरुणाचल प्रदेश में एक सौ चालीस, केरल में एक सौ अठारह, त्रिपुरा में एक सौ सोलह, गोवा में एक सौ छह, जम्मू-कश्मीर में एक सौ पांच, हिमाचल प्रदेश में पचहत्तर, राजस्थान में पैंसठ, पंजाब में अट्ठावन और हरियाणा में अड़तालीस रही। देश के अन्य राज्यों की भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। पिछले वर्ष राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अड़सठवें दौर पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक ईसाई समुदाय के लोगों में ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी 4.5 फीसद और शहरी इलाकों में 5.9 फीसद है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में सिखों में बेरोजगारी 1.3 फीसद और हिंदुओं में शहरों में 3.3 फीसद है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में मुसलिम पुरुष 49.9 फीसद बेरोजगार हैं जबकि ग्रामीण इलाकों में मुसलिम महिलाएं 15.3 फीसद और शहरी क्षेत्रों में 10.5 के पास ही रोजगार है। गौर करें तो यह स्थिति तब है जब देश में बेरोजगारी से निपटने के लिए ढेरों कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इनमें राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, समन्वित विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना, संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) प्रमुख हैं। लेकिन जिस तेजी से बेरोजगारी दर में वृद्धि हो रही है उससे साफ है कि देश में बेरोजगारी से निपटने का कोई ठोस कार्यक्रम नहीं है। गौरतलब है कि भारत सरकार ने लोगों को रोजगार प्रदान करने के लिए स्किल इंडिया के जरिए सन 2022 तक चालीस करोड़ लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। लेकिन राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के ताजा सर्वेक्षण पर विश्वास करें तो इस लक्ष्य को हासिल करना फिलहाल मुश्किल ही है। इसलिए कि रिपोर्ट के मुताबिक देश में हर दस युवाओं में से महज एक युवा को ही किसी तरह का कारोबारी प्रशिक्षण हासिल है। यानी पंद्रह साल से उनसठ साल के आयु वर्ग के सिर्फ 2.2 फीसद लोगों ने औपचारिक रूप से और 8.6 फीसद लोगों ने अनौपचारिक रूप से कारोबारी प्रशिक्षण हासिल किया है। अगर दोनों को जोड़ दें तो यह आंकड़ा 10.8 फीसद ठहरता है। लेकिन जिस गति से देश में बेरोजगारी बढ़ रही है उस हिसाब से कारोबारी प्रशिक्षण की यह उपलब्धि ऊंट के मुंह में जीरा समान ही है। इस समय देश में नौजवानों का रुझान मेडिकल और इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लेकर ज्यादा है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि इस क्षेत्र में भी रोजगार हासिल करने के लिए सिर्फ ढाई फीसद नौजवानों के पास शैक्षिक योग्यता है। यह स्थिति निराश करने वाली है। आमतौर पर पच्चीस से तीस वर्ष के बीच पंचानबे फीसद नौजवान अपनी पढ़ाई पूरी कर लेते हैं और फिर रोजगार की तलाश शुरू कर देते हैं। सीआइआइ की इंडिया स्किल रिपोर्ट-2015 बताती है कि भारत में हर साल तकरीबन सवा करोड़ शिक्षित युवा तैयार होते हैं। ये नौजवान रोजगार के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र, सभी जगह अपनी किस्मत आजमाते हैं। लेकिन सिर्फ सैंतीस फीसद कामयाब हो पाते हैं, यानी उन्हें रोजगार मिलता है। इसके खासकर दो कारण हैं। एक तो यह कि सरकारी क्षेत्र में नौकरियां सिकुड़ रही हैं, जबकि दूसरी ओर प्राइवेट क्षेत्र में उन्हीं लोगों को रोजगार मिल रहा है जिन्हें कारोबारी प्रशिक्षण हासिल है। यहां उल्लेखनीय तथ्य यह है कि देश में सालाना सिर्फ पैंतीस लाख लोगों के लिए कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था है, जबकि दूसरी ओर सवा करोड़ शिक्षित बेरोजगार युवा रोजगार की कतार में खड़े होते हैं। दो वर्ष पहले योजना आयोग ने एलान किया था कि शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के लिए पचास लाख कौशल विकास केंद्र (स्किल डेवलपमेंट सेंटर) खोले जाएंगे। लेकिन अभी तक लक्ष्य पूरा नहीं हुआ। सवाल लाजिमी है कि जब कौशल विकास केंद्रों की संख्या में वृद्धि नहीं होगी तो फिर रोजगार कैसे मिलेगा? उचित होगा कि सरकार इन केंद्रों की संख्या बढ़ाए। अगर छोटे कस्बों में नए कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे तो निस्संदेह इससे औद्योगिक ढांचे का विकेंद्रीकरण होगा और अर्थव्यवस्था अधिक आत्मनिर्भर बनेगी। यह किसी से छिपा नहीं है कि अभी तक अनुदान और प्रोत्साहन सिर्फ उत्पादन के आधार पर दिए जाते हैं। बेहतर होगा कि इस आधार को बदला जाए और इसे रोजगार के अवसर प्रदान करने के आधार पर दिया जाए।

आज की तारीख में ग्रामीण बेरोजगारी सबसे अधिक है। लेकिन इसे अवसर में बदला जा सकता है। पर यह तभी संभव होगा जब खेती, बागवानी, पशुपालन, वृक्षारोपण, कृषि यंत्रों की मरम्मत के संबंध में आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा और ग्रामीण निर्माण कार्यक्रमों का विस्तार होगा। अब समय आ गया है कि बेकार पड़ी भूमि को कृषि के अंतर्गत लाया जाए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की मात्रा में वृद्धि होगी। देश में अच्छे बीजों, उर्वरक तथा यंत्रों की मांग बढ़ गई है। इनकी बिक्री तथा पूर्ति के कामों में काफी लोगों को रोजगार मिल सकता है। बेहतर होगा कि केंद्र व राज्य सरकारें ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल भारत (स्किल इंडिया) केंद्रों का विस्तार करे। इससे बुनाई, मैकेनिक, आपरेटरी और हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। चिकित्सा, रियल एस्टेट, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, आइटी, मैन्युफैक्चरिंग, बैंकिंग व वित्तीय क्षेत्रों में भी युवाओं को अपना कैरियर संवारने का मौका मिलता है। लेकिन यह तभी संभव होगा जब सार्वजनिक और निजी क्षेत्र इसमें निवेश बढ़ाएंगे और लोगों को रोजगार देंगे। याद होगा 2012-13 में बैंक-समूहों ने एक लाख लोगों को नौकरी देने का एलान किया था। इसके अलावा देशी-विदेशी कंपनियों ने भी कुछ इसी तरह की घोषणा की थी। लेकिन एलान के मुताबिक वे रोजगार उपलब्ध कराने में विफल रहीं। अगर बैंकिंग समूह ही ग्रामीण क्षेत्रों में अपना विस्तार करे तो यहां लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। इसी तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सरकार निवेश को बढ़ावा देकर रोजगार सृजित कर सकती है। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों की भारी कमी है।

स्वात्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक, मालिक व सम्पादक) मनोज भारद्वाज द्वारा नीलू प्रींटिंग प्रैस, प्लॉट नं. 3/1, टीसीसी, कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 10 फरीदाबाद-121006 से छपवाकर मुख्य कार्यालय बी 2403 गली नं. 8 25 फुट रोड़ एसजीएम नगर एन.एच.4 एन.आई.टी फरीदाबाद से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं.-HARHIN/2012/41589

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।

केन्द्रीय विदेश मंत्री, श्रीमती सुषमा स्वराज नई दिल्ली में पीएमओ इंडिया बहुभाषी वेबसाइट के तेलुगु संस्करण का शुभारंभ करती हुई।

देश में अफ्रीकियों पर हो रहे हमलों को लेकर परेशान हैं राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश में अफ्रीकी नागरिकों पर कथित हमलों की घटनाओं को लेकर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि अगर भारत के लोग 'अफ्रीका के साथ मित्रता की हमारी लंबी परंपरा को कमजोर करते हैं' तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होगा। मिशन प्रमुखों के सातवें वार्षिक सम्मेलन के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुखर्जी ने कहा, अगर भारत के लोग अफ्रीका के लोगों के साथ मित्रता और अफ्रीकी लोगों का अपने यहां हमेशा स्वागत करने की लंबे समय से चली आ रही हमारी परंपरा को कमजोर करते हैं तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होगा। भारत में अफ्रीकी छात्रों को अपनी सुरक्षा को लेकर डरने की कोई वजह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई धारणा नहीं बननी चाहिए जो हमारी प्राचीन सभ्यता के हमारे तानेबाने और मुख्य मूल्यों के अनुसार नहीं हो। राष्ट्रपति ने कहा, हमें भारत और अफ्रीका के बीच के पुराने संबंधों के बारे में अपने नौजवानों में सही ढंग से जागरूकता पैदा करनी चाहिए जो शायद इस इतिहास को नहीं जानते हैं। भारत का अफ्रीकी देशों के साथ सदियों से व्यापार संबंध रहा है और 54 अफ्रीकी देशों में हर जगह अच्छा-खासा भारतीय समुदाय है जो कारोबार, उद्योग में लगा है। उन्होंने कहा, हम इन सबको पटरी से उतरने और ऐसी खराब परंपरा बनने की इजाजत नहीं दे सकते जो हमारी प्राचीन सभ्यता के मूल मूल्यों से मेल नहीं खाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि वे इससे खुश हैं कि विदेश मंत्रालय गृह मंत्रालय के साथ सामंजस्य के साथ काफी सक्रियता से आगे बढ़ रहा है और भारत में अफ्रीकी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों और अफ्रीका के लोगों के बीच संबंध पुराने हैं। मुखर्जी ने कहा, राजनीतिक कार्यकर्ता, सांसद के तौर पर मैंने देखा है कि हम (भारत और अफ्रीका) एक दूसरे के कितने निकट हैं। करीब एक सदी पहले रवींद्रनाथ ठाकुर ने अफ्रीका शीर्षक से खूबसूरत कविता लिखकर रंगभेद के खिलाफ अपना आक्रोश और दुख प्रकट किया था। राष्ट्रपति ने कहा कि मिस्र के गमाल अब्दुल नासिर और घाना के क्वामे नकरूमा 1955 में अफ्रीका-एशिया सम्मेलन के दौरान जवाहरलाल नेहरू के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। उन्होंने कहा, नेलसन मंडेला गांधी के सिद्धांतों के मूर्त रूप थे। भारत ने अफ्रीका में उपनिवेशवाद और रंगभेद के खिलाफ लंबे अंतरराष्ट्रीय संघर्ष का नेतृत्व किया था। मुखर्जी ने कहा कि 1946 में भारत सरकार ने फैसला किया था कि रंगभेद खत्म होने तक दक्षिण अफ्रीका के साथ कोई व्यापार संबंध नहीं होगा। इस बीच अफ्रीका के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के भारत के आश्वासन के संदर्भ में अफ्रीकी देशों के राजदूत 'प्रतीक्षा करने और देखने' की नीति पर अमल कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

लिफ्ट के बहाने बैठा नेपाली लड़की से किया चलती कार में गैंगरेप

बंगाल। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक चलती कार में एक 25 वर्षीय महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है।

घटना बीती रात 11 बजे साल्ट लेक के सेक्टर पांच की है। पीड़िता नेपाली मूल की है जो कि पिछले तीन साल से कोलकाता में रह रही हैं। शिकायत के मुताबिक पीड़िता रविवार रात को उबेर कैब में एक कॉफी प्वाइंट के लिए घर से निकली थी। लेकिन वह पता भूल गई और सेक्टर पांच के कॉलेज के नजदीक उतर गई। पुलिस के मुताबिक, 'पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह कॉफी प्वाइंट का पता भूल गई थी, उसने वहां खड़े एक युवक से पता पूछा। युवक ने कहा कि वह तो जगह के बारे में नहीं जानता लेकिन वह अपने दोस्त से इस बारे में पता कर देता है। इसके बाद उसने किसी को कॉल किया। उसके बाद जल्द ही एक एसयूवी कार आई जिसमें तीन युवक थे। उन्होंने पीड़िता को कॉफी प्वाइंट तक लिफ्ट देने की बात कही। उसके बाद वह युवक उसी कार में पीड़िता के साथ बैठ गया और उसके बाद उन्होंने उसके साथ बारी-बारी से रेप किया। पीड़िता ने साथ ही बताया कि सुबह तीन बजे के आसपास उन्होंने उसे साल्ट लेक इलाके में ही कार से बाहर फेंक दिया। जहां पर वह एक टैक्सी ड्राइवर की मदद से पुलिस स्टेशन पहुंची और उसने पूरी कहानी बताई। जहां उसकी शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने मामला दर्ज करके, आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में महिला से रेप होने की बात कही है। आपको बता दें फरवरी 2012 में भी एक एंग्लो इंडियन महिला के साथ चलती कार में गैंगरेप किया गया था। जिसके बाद यह घटना राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियां बना गया था।

नौका हादसे में 40 बच्चों सहित 700 से ज्यादा की मौत

रोम। भूमध्य सागर में पिछले दिनों हुए नौका हादसों में जीवित बचे लोगों ने कहा है कि 40 बच्चों सहित 500 से अधिक लोग डूब गए हैं। ऐसे में इन हादसों में मरने वालों की संख्या 700 तक पहुंचने की आशंका है। सुरक्षित बचे लोगों को इटली के तारांतो और पोजालो बंदरगाहों में लाया गया है। इन लोगों ने सयुंक्त राष्ट्र शरणार्थी एजंसी

यूएनएचसीआर और 'सेव द चिल्ड्रेन' को बताया कि उनकी नौका किस तरह से डूबी और बहुत सारे लोग डूब गए। यूएनएचसीआर की प्रवक्ता कारलोता सामी ने कहा, 'हम कभी भी वास्तविक संख्या नहीं जान पाएंगे। हम उनकी पहचान कभी नहीं जान पाएंगे। परंतु जीवित बचे लोगों ने बताया कि 500 से अधिक लोगों की मौत हुई है।' कारलोता सामी ने बताया कि पिछले बुधवार को तस्करों की नौका के डूबने की घटना में करीब 100 लोग लापता हैं। इस तरह भूमध्यसागर में इस हफ्ते करीब 700 लोगों के डूब जाने की आशंका है। उन्होंने कहा कि गुरुवार हुए हादसे में जीवित बचे शरणार्थियों का कहना है कि इस नौका में इंजन नहीं था। इसे एक अन्य नौका से खींचा जा रहा था। नौका डूबने वाली इस नौका में करीब 670 लोग सवार थे। तीसरा नौका हादसा शुक्रवार को हुआ और इसमें 135 लोग को बचा लिया गया। 45 शव बरामद किए गए हैं जबकि कई लापता हैं।

पांचवें चरण के निकाय चुनावों के दौरान हिंसा में 12 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में स्थानीय निकाय चुनावों के पांचवें चरण के मतदान में हुई हिंसा में दो उम्मीदवारों और दो बच्चों समेत 12 लोग मारे गए और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। शनिवार को संपन्न हुए स्थानीय निकायों के चुनावों में यह अब तक की सबसे भयावह हिंसा है। यूनियन परिषदों के लिए संसोधित प्रणाली के तहत पहली बार पार्टी लाइन पर 45 जिलों के तहत 717 यूनियनों के लिए मतदान कराए गए जिसमें बेईमानी और अन्य कदाचार के आरोप लगे। डेली स्टार की खबर के अनुसार इन चुनावों के दौरान जमालपुर, चटगांव, नोवाखाली, कोमिल्ला, पंचगढ़ और नारायणगंज में 12 लोगों के मारे जाने की रपटें आई हैं।

रक्षामंत्री ने उठाए न्यायपालिका पर सवाल, कहा- दिए जा रहे हैं 'निरर्थक' आदेश

पणजी। रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने सोमवार (30 मई) को न्यायपालिका की आलोचना करते हुए दावा किया कि उसके द्वारा दिए गए कुछ निर्देश 'निरर्थक'' और 'किसी वैज्ञानिक आधार से परे हैं।' यहां एक सार्वजनिक समारोह में पर्रिकर ने कहा, 'बिना किसी वैज्ञानिक आधार के निरर्थक निर्देश दिए जा रहे हैं। विज्ञान को नहीं समझने वाले कुछ लोगों ने इसका मतलब निकालना शुरू कर दिया है।' उन्होंने कहा, 'मैं मर्सिडिज बेंज कंपनी के बारे में रिपोर्ट पढ़ रहा था। उन्होंने भारत में निवेश बंद कर दिया है, क्योंकि उनका कहना है कि अदालत के फैसले उनकी समझ से परे हैं। (उनका कहना है) हम डीजल वाहनों को प्रतिबंधित करने का औचित्य समझ नहीं पा रहे हैं।' परिकर ने कहा,

'हम समझ सकते हैं कि आप प्रदूषण फैलाने वाले डीजल वाहनों को प्रतिबंधित कर सकते हैं, लेकिन पेट्रोल वाहनों से कम या बिल्कुल प्रदूषण नहीं फैलाने वाले डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का क्या मतलब है।' सालिगाव-कलंगुते में ठोस कचरा प्रबंधन संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए परिकर ने उपरोक्त बातें कहीं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कचरा और सीवेज शोधन 'बड़ा घोटाला' क्षेत्र है क्योंकि केन्द्रीय योजनाओं के तौर पर हुए निर्माण को भी बिना हिसाब किताब के छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा, 'कचरा और सीवेज शोधन बड़ा घोटाला क्षेत्र है। केन्द्र सरकार की योजनाओं के तहत बने शौचालयों में से 90 प्रतिशत तीन-चार साल के बाद प्रयोग में नहीं रह जाते हैं।' उन्होंने सवाल किया, 'कुछ लोग इन शौचालयों का प्रयोग लकड़ियां रखने के लिए करने लगते हैं। कुछ लोग उस उद्देश्य के लिए इसका उपयोग नहीं करते जिस उद्देश्य से इसका निर्माण हुआ है, लेकिन कोई इनका लेखा-जोखा नहीं रख सकता। कोई बिना इस्तेमाल किए कैसे लेखा-जोखा रख सकता है कि शौचालय काम कर रहा है या नहीं?' मंत्री ने कहा कि कचरा प्रबंधन देश में बहुत बड़ा उद्योग बन गया है। उन्होंने कहा, 'इस क्षेत्र में निहित स्वार्थ हैंज कैग सबका ऑडिट करता है लेकिन मैंने कभी भी कचरा प्रबंधन का ऑडिट होते नहीं देखा है।

ड्राइवर के परिवार ने अमेरिका के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

कराची। बलूचिस्तान प्रांत में एक अमेरिकी ड्रोन हमले में तालिबान प्रमुख मुल्ला मंसूर के साथ मारे गए एक पाकिस्तानी वाहन चालक के परिवार ने अमेरिकी सरकार के खिलाफ रविवार (29 मई) को पुलिस के पास एक मामला दर्ज कराया। मंसूर और मोहम्मद आजम 21 मई को उस वक्त मारे गए थे जब अमेरिकी विशेष बलों ने एक ड्रोन

विमान से बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी जिले में उनके वाहन को निशाना बनाया था। वे लोग सड़क मार्ग के जरिए कथित तौर पर ईरान से लौट रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आजम के भाई मोहम्मद कासिम ने नोशकी जिले के माल लेविस थाने में अमेरिकी सरकार के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। अधिकारी ने बताया कि उनके भाई ने प्राथमिकी में दावा किया है कि आजम कोई आतंकवादी नहीं था और वह चार बच्चों का पिता तथा अपने परिवार में कमाने वाले एक मात्र व्यक्ति था। उन्होंने बताया कि परिवार चाहता है कि ड्रोन हमलों के लिए जिम्मेदार अमेरिकी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले माइक्रोसॉफ्ट चीफ सत्य नाडेला

नई दिल्ली। माइक्रोसाफ्ट के प्रमुख सत्य नाडेला ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ अन्य मंत्रियों से मुलाकात की। इस बैठक में आइटी क्षेत्र से संबंधित मुद्दों

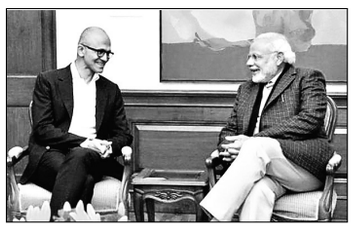

और डिजिटल इंडिया जैसी पहल में भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत में जन्मे नाडेला ने फरवरी, 2014 में माइक्रोसाफ्ट के मुख्य कार्यकारी (सीईओ) का पद संभाला था। उसके बाद से वह तीसरी बार भारत आए हैं। उन्होंने मोदी के अलावा संचार व आइटी मंत्री रविशंकर प्रसाद, वित्त राज्यमंत्री जयंत सिन्हा और कई शीर्ष उद्यमियों व साफ्टवेयर विकासकर्ताओं से मुलाकात की। मोदी ने बैठक के बाद ट्वीट किया- नाडेला के साथ आइटी क्षेत्र से संबंधित कई मसलों पर विचार किया। लेकिन इसमें बैठक के ब्योरे का खुलासा नहीं किया गया है। नाडेला से पहले ऐपल के सीईओ टिम कुक चार दिन की भारत यात्रा पर आए थे। अपनी भारत यात्रा के दौरान कुक ने मोदी के अलावा आइसीआइसीआइ बैंक की प्रबंध निदेशक व सीईओ चंदा कोचर, टाटा समूह के चेयरमैन साइरस मिस्त्री और भारती एअरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल से मुलाकात की थी। नाडेला और कुक दोनों ने सरकार की डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल को समर्थन की पेशकश की है।

राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित मालती ज्ञान पीठ पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान समूह फोटोग्राफ में।

पैसों की कमी से झूझ रहे ISIS ने लगाए नए जुर्माने

वाशिंगटन। दायरा सिमटने और धन की कमी से जूझ रहे आईएसआईएस ने नए कर और जुर्माने लगाए हैं जिसमें दाढी कटवाने पर सौ डालर एवं ज्यादा कसे हुए लगने वाले वस्त्र पहनने पर 25 डालर का जुर्माना शामिल है। एक शोधन में यह बात सामने आई है। स्थानीय समाचारों पर गौर करके 'आईएचएस इंक' द्वारा जारी नये विश्लेषण के अनुसार, वित्तीय स्थिति खराब होते जाने के जवाब में इस्लामिक स्टेट अपने क्षेत्र में कर और जुर्माने बढ़ाता जा रहा है और कुछ मामलों में नये कर शुरू कर रहा है। 'आईएचएस' के वरिष्ठ विश्लेषक लुडोविको कार्लिनो ने कहा, ''बीते छह महीनों में, इस्लामिक स्टेट ने तेल राजस्व के नुकसान और सिमटती सीमा की भरपाई के लिए जनता से अतिरिक्त राजस्व हासिल करने के लिए नये कर और जुर्माने शुरू किये हैं।

सितंबर से, हमने पूरे खलीफा में करों में बढोत्तरी देखी है।'' दाढ़ी कटवाने पर सौ डालर, दाढ़ी हल्की करवाने के लिए 50 डालर का जुर्माना लगाया गया है। पारंपरिक वस्त्र सही ढंग से नहीं पहनने पर पुरूषों पर पांच डालर जबकि ज्यादा कसे हुए वस्त्र पहनने पर महिलाओं पर 25 डालर का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा आंखों से पर्दा हटाने पर 10 डालर का जुर्माना तय हुआ है। इसके अलावा, मोजे या दस्ताने नहीं पहनने पर महिलाओं पर 30 डालर का जुर्माना लग सकता है।

पहला क्वांटम संचार उपग्रह प्रक्षेपित करेगा चीन

बेजिंग। चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज (सीएएस) के एक शीर्ष वैज्ञानिक ने कहा है कि चीन जुलाई में अपना पहला प्रायोगिक क्वांटम संचार उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। यह उपग्रह डेटा संप्रेषण की सुरक्षा में सुधार लाने में और हैकरों को विफल बनाने में कारगर होगा। यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ चाइना में प्रोफेसर पैन जियानवेई ने कहा कि इस उपग्रह के माध्यम से दुनिया का पहला क्वांटम संचार होगा। क्वांटम संचार की खासियत इसकी बेहद उच्च स्तरीय सुरक्षा है क्योंकि क्वांटम फोटॉन को न तो अलग किया जा सकता है और न ही इसकी प्रतिकृति बनाई जा सकती है। इसलिए इसे टेप किया जाना, रोका जाना या इसके जरिए भेजी जा रही जानकारी को हासिल किया जाना असंभव है। सीएएस की परियोजना में एक उपग्रह का प्रक्षेपण और क्वांटम संचार के लिए जमीन पर चार स्टेशन और एक स्पेस क्वांटम टेलीपोर्टेशन एक्सपेरीमेंट स्टेशन का निर्माण शामिल है। सरकारी समाचार एजंसी शिन्हुआ ने कहा कि परियोजना के पूरे हो जाने पर उपग्रह हजारों किलोमीटर दूर जमीन पर स्थित दो स्टेशनों के साथ सतत क्वांटम ऑप्टिकल संपर्क स्थापित कर पाएगा। चीनी वैज्ञानिकों को पहला क्वांटम उपग्रह विकसित करने में और उसका निर्माण करने में पांच साल लगे हैं। सीएएस ने कहा कि इसे जून में जियुक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र में भेज दिया जाएगा।

e-mail :
mnewsdaily2008@gmail.com

प्रेग्नेंसी में प्रॉब्लम!

हर महिला की चाहत होती है कि शादी के बाद उसकी गोद में बच्चे की किलकारियां गूंजें, लेकिन लाख कोशिशों के बावजूद कभी-कभार यह सपना पूरा नहीं हो पाता है। हेल्दी व यंग कपल होने के बावजूद अगर आप कंसीव नहीं कर पा रही हैं, तो आपको इसकी वजह जानने की जरूरत है। दरअसल, कई बार आप छोटी- छोटी चीजों की जानकारी नहीं होने की वजह से भी कंसीव नहीं कर पाती हैं और आप यह सोच बैठती हैं कि आपको कोई प्रॉब्लम है। ऐसे में आपको कुछ बेसिक चीजों की नॉलेज लेने की जरूरत है, जो आपके कंसीव न कर पाने की वजह हो सकती हैं

हर महिला की चाहत होती है कि शादी के बाद उसकी गोद में बच्चे की किलकारियां गूंजें, लेकिन लाख कोशिशों के बावजूद कभी-कभार यह सपना पूरा नहीं हो पाता है। हेल्दी व यंग कपल होने के बावजूद अगर आप कंसीव नहीं कर पा रही हैं, तो आपको इसकी वजह जानने की जरूरत है। दरअसल, कई बार आप छोटी- छोटी चीजों की जानकारी नहीं होने की वजह से भी कंसीव नहीं कर पाती हैं और आप यह सोच बैठती हैं कि आपको कोई प्रॉब्लम है। ऐसे में आपको कुछ बेसिक चीजों की नॉलेज लेने की जरूरत है, जो आपके कंसीव न कर पाने की वजह हो सकती हैं।

रॉन्ग इंटरकोर्स

डॉक्टर्स के मुताबिक अगर कपल सही तरीके से चपेनो- वैजाइनलज इंटरकोर्स करें, तो कंसीव करने में कोई प्रॉब्लम नहीं होती। लेकिन, ऐसा तभी संभव है, जब आपको इसका सही तरीका मालूम हो। इसके अलावा, सेक्सुअल अट्रैक्शन की कमी, सेक्सुअल एक्साइटमेंट का मिस मैच, प्री मैच्योर इजैक्युलेशन, फोर स्किन में एबनॉर्मल टाइटनेस और कोई इन्फेक्शन भी आपके कंसीव नहीं कर पाने की वजहों में से एक हो सकते हैं। हालांकि, ये सभी दिक्कतें पुरुषों से जुड़ी हैं, लेकिन कुछ परेशानियां महिलाओं को भी होती हैं। मसलन वैजाइना का सिकुड़ना, इंटरकोर्स के दौरान पेन होना और हाइमन का बेहद टाइट हो जाना। अगर आपको इनमें से कोई दिक्कत नहीं है और आपको पेनो- वैजाइनल इंटरकोर्स का तरीका भी पता है, तो आपका अगला स्टेप सीमेन टेस्ट होना चाहिए। इस टेस्ट से स्पर्म की संख्या चेक की जाती है।

लो फ्रिचेंसी

कंसीव करने के लिए स्पर्म का ओवम (एग) से मिलना जरूरी है। दरअसल, हर महीने दो ओवरीज में से किसी एक से ओवम निकलता है, जो 24 से 48 घंटे तक जीवित रहता है। अगर यह ओवम स्पर्म से कनेक्ट हो जाता है, तो आपके कंसीव करने के चांस 95 फीसदी बढ़ जाते हैं। आपको बता दें कि कंसीव करने की गुंजाइश अगले पीरियड के पहले दिन से 14 दिन पहले सबसे ज्यादा और उससे पांच दिन पहले और पांच दिन बाद ज्यादा होती है। अगर स्पर्म की फिचेंसी कम हैं, तो कपल के लिए जरूरी है कि वे नेक्सट पीरियड से 14 दिन पहले रिलेशन बनाएं। इस दिन सिर्फ एक बार इंटरकोर्स से महिला प्रेग्नेंट हो जाती हैं।

आर्टिफिशल लुब्रिकेंट

इन दिनों लोग सेक्स इंजॉय करने के लिए या उसे आसान बनाने के लिए तमाम आर्टिफिशल लुब्रिकेंट इस्तेमाल कर रहे हैं। इसी के चलते कई बड़ी कंपनियों के साथ लोकल कंपनियों ने भी अपने लुब्रिकेंट्स मार्केट में उतारे हैं। आर्टिफिशल लुब्रिकेंट के इस्तेमाल से स्पर्म ओवम तक नहीं पहुंच पाते हैं , जिससे कंसीव करना नामुमकिन है। वैसे , तो लुब्रिकेंट के इस्तेमाल की जगह नेचरल प्रोसेस ही ठीक है , लेकिन अगर आप लुब्रिकेंट का इस्तेमाल करना चाहते हैं , तो बेहतर होगा कि ओरिजिनल प्रॉडक्ट इस्तेमाल करें।

नॉट ऑव्यूलेशल

कुछ महिलाओं का ऑव्यूलेशन (एग प्रोसेस) सही तरीके से नहीं हो पाता है या फिर अनियमित रहता है। इसकी जानकारी नहीं होने की वजह से उन्हें लगता है कि अब वे कंसीव नहीं कर पाएंगी। लेकिन सोनोग्राफी से से इसका पता लगाया जा सकता है। अगर ऑव्यूलेशन का प्रोसेस ठीक नहीं है , तो इस प्रोसेस को ठीक करने के लिए भी कई ट्रीटमेंट्स है। इसके लिए आपको गायकॉलजिस्ट से संपर्क करना होगा।

यूटरस इनर लाइन डैमेज

यूटरस की इनर लाइन डैमेज होने पर भी कंसीव नहीं होने की प्रॉब्लम आ जाती है। दरअसल , प्रेग्नेंसी के लिए यूटरस की इनर लाइन का हेल्दी रहना बेहद जरूरी है। अगर यह हेल्दी नहीं होगी , तो कंसीव करना नामुमकिन है। इसे इन्फेक्शन , एसटीडी और टीबी जैसी बीमारियों से नुकसान पहुंचता है। टेस्ट द्वारा इसका भी आसानी से पता लगाया जा सकता है।

ब्लॉक फेलोपियन ट्यूब

ओवरी से ओवम फेलोपियन ट्यूब के जरिए ट्रांसफर होते हैं। अगर यह ट्यूब ब्लॉक है , तो ओवम को स्पर्म से मिलने में दिक्कत आएगी। वैसे , इस ट्यूब के ब्लॉक होने की वजह इन्फेक्शन और टीबी होती है , जिसका ट्रीटमेंट मौजूद है।

नॉट होल्ड

जब स्पर्म और ओवम मिलते हैं , तो कंसीव होने की गुंजाइश रहती है। लेकिन अगर उस समय आपकी बॉडी स्पर्म को होल्ड नहीं कर पाती है , तो आप कतई कंसीव नहीं कर सकती। इसकी वजह यूटरस का लूज व ढीला होना होती है। ज्यादातर मिस कैरिज भी इसी वजह से होता है। ऐसी दिक्कत होने पर लगातार मिस कैरिज होता रहता है और कंसीव होने के चांस न के बराबर रहते हैं।

कंबाइंड इनफर्टिलिटी

ज्यादातर मामलों में इनफर्टिलिटी की दिक्कत एक ही पार्टनर को आती है। लेकिन अगर दोनों ही लोगों में कोई दिक्कत है , तो बिना ट्रीटमेंट के कंसीव करना नामुमकिन है। इसलिए अपनी - अपनी दिक्कतें समझकर उनका इलाज करवा लें।

सही जानकारी न दे पाना

ऐसे भी कई मामले आते हैं , जिनमें कपल्स को ऊपर बताई गईं समस्याएं नहीं होतीं। फिर भी वे कपल्स बच्चा पैदा नहीं कर पाते। तकरीबन 26 फीसदी मामले ऐसे भी हैं , जो अपनी दिक्कत को खुलकर डिस्कस करने से बचते हैं। ऐसी स्थिति में डॉक्टर्स भी उनको बच्चा एडॉप्ट करने की ही सलाह देते हैं।

क्या आप जानते हैं सेहत से जुड़े ये पांच मजेदार पहलू?

सीटी बजाना शिष्टाचार के लिहाज से अच्छी भले ही न लगे लेकिन क्या आपको पता है फेफड़ों के लिए यह बेहतरीन एक्सरसाइज है? ऐसे ही कई मजेदार तथ्य हैं जो आपकी ही सेहत से जुड़े हैं और आपको पता नहीं हैं। आइए जानें आपकी सेहत से जुड़े कुछ मजेदार पहलू।

लंबे कद वाली महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर का अधिक है खतरा

लंबे कद वाली महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति अधिक सचेत रहना चाहिए क्योंकि उन्हें इसका खतरा अधिक होता है। हौलैंड के कुछ वैज्ञानिकों ने अपने शोध के आधार पर माना है कि लंबे कद वाली महिलाओं का शारीरिक विकास कम उम्र से ही तेजी से होता है जिस वजह से उनके हार्मोन्स में बदलाव भी तेजी से होता है। इससे उन्हें ब्रेस्ट कैंसर की आशंका अधिक रहती है।

वियाग्रा से भी अधिक प्रभावी है अमरूद

वैसे तो ग्रीस में अमरूद का संबंध यौन क्षमता से सदियों से माना जाता रहा है लेकिन अब अमेरिकी वैज्ञानिक भी अमरूद को यौन क्षमता बढ़ाने में बहुत प्रबावी मानते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अमरूद में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो पुरुषों के यौन अंगों तक रक्त संचार बढ़ाने व यौन क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं।

गुस्से से बढ़ सकता है मोटापा

अगर आपको बहुत गुस्सा आता है तो जरा कंट्रोल करें। आपका गुस्सा आपको मोटापे का शिकार बना सकता है।अमेरिकन जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी में प्रकाशित इस शोध में माना गया है कि बहुत अधिक गुस्सा करने वाले पुरुषों के बॉडी मास इंटेक्स में तेजी से बदलाव आते हैं और वे जल्दी मोटे होते हैं।

वहीं अधिक गुस्सा करने वाली महिलाओं का वजन भी तेजी से बढ़ता है लेकिन पुरुषों की अपेक्षा उनमें ऐसा कम होता है।

कद्दू खाने से होंगे बुद्धिमान

कद्दू या सीताफल खाने से दिमाग अच्छी तरह चलता है। सुनने में शायद अटपटा लगे लेकिन कई शोधों में यह बात मानी गई है कि कद्दू में पाया जाने वाला विटामिन बी6 और मिनिरल्स आपके रक्त में मौजूद शर्करा को तेजी से ग्लूकोज में बदलते हैं और ग्लूकोज अकेला ऐसा तत्व है जिसका सेवन मस्तिष्क सीधे करता है। यह मस्तिष्क के काम करने की क्षमता को बढ़ाता है।

लंबी उम्र कर सकती है शराब!

रोजाना तीन पैग शराब पीने से लंबी उम्र पाने में मदद मिलती है। यह बात एक ताजा अध्ययन में सामने आई है। वेबसाइट एक्सप्रेस डॉट को डॉट यूके में प्रकाशित समाचार के मुताबिक 20 साल तक चले इस शोध में खुलासा हुआ है कि जो लोग कम मात्रा में शराब पीते हैं उनकी उम्र ज्यादा शराब पीने वालों से ज्यादा होती है।

स्वास्थ्य सलाहों के अंतर्गत रात में दो पैक से ज्यादा शराब नहीं लेने की बात कही जाती है लेकिन विशेषज्ञों ने पाया है कि तीन पैक शराब से कोई नुकसान नहीं होता। टैक्सास विश्वविद्यालय में किए गए इस शोध में शराब न पीने वाले लोगों के लिए स्थिति ज्यादा खराब बताई गई है। अध्ययन में कहा गया है कि शराब न पीने वाले 51 फीसदी लोग कम शराब पीने वाले लोगों से पहले मर जाते हैं।वहीं ज्यादा शराब पीने वाले लोगों में मृत्यु की आशंका कम शराब पीने वालों की तुलना में 45 प्रतिशत ज्यादा होती है। शोध में 55 से 65 साल के 1,800 पुरुषों और महिलाओं को शामिल किया गया।

टिप्स कैंसर से बचने के

यह सच है कि अभी तक कैंसर की कोई कारगर दवा तैयार नहीं हुई है। लेकिन कुछ बातों का हम पहले से ही ख्याल रखें तो यह रोग हमारे शरीर को छू भी नहीं पाएगा। जानते हैं ऐसी ही कुछ सावधानियों के बारे में-

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बना रहे हैं जो पैपिलॉमा वायरस से प्रभावित है तो आप भी इसकी चपेट में आ सकते हैं क्योंकि यह वायरस फैलने वाला होता है। इसलिए किसी भी व्यक्ति से शारीरिक संबंध बनाने से बचें।

ज्यादा से ज्यादा पत्तेदार सब्जियाँ, चना और फल खाने की कोशिश करें। सब्जियों और फलों में फाइबर मौजूद होता है जो रोगों से लड़ने की क्षमता रखता है। यह कई प्रकार के कैंसर से लड़ने में मददगार होता है।

फूलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर, एवोकाडो, गाजर जैसे फल और सब्जियाँ जरूर खाएँ।

शक्कर का सेवन कम-से-कम करें। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि महिलाओं में कोलोरेक्टल कैंसर की सम्भावना शक्कर के सेवन से काफी बढ़ जाती है। खाने का तेल इस्तेमाल करने से पहले यह देख लें कि आप जो तेल खाने जा रहे हैं वह स्वास्थ्य के लिए कितना फायदेमंद है।

रोगों से लड़ने में मदद करेगी ऐसी डाइट

बदलते मौसम में मौसमी बुखार, इन्फेक्शन या एलर्जी की आशंका बहुत बढ़ जाती है। आप इनसे खुद को तभी दूर रख सकेंगे जब आपके शरीर की प्रतिरोधी क्षमता मजबूत होगी। आइए जानें कि किन चीजों को डाइट में शामिल करने से आपके शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ेगी और आप बीमारियों व संक्रमणों से दूर रहेंगे।

लहसुन

लहसुन में आपको सभी संक्रमणों से दूर रखने के गुण हैं। अध्ययनों की मानें तो लहसुन के सेवन से कम से कम 72 प्रकार के संक्रमणों से बचाव किया जा सकता है। हृदय रोग, कैंसर, ब्रोंकाइटिस, टीबी, टायफाइड आदि रोगों से लड़ने में लहसुन का सेवन बहुत फायदेमंद है।

पालक

पालक में विटामिन ए, ई, के और डी, एंटीऑक्सीडेंट्स व मिनिरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं। कई शोधों में यह माना जा चुका है कि पालक के सेवन से न सिर्फ शरीर की प्रतिरोधी क्षमता बढ़ती है बल्कि यह आंखों व मांसपेशियों को सेहतमंद रखने के लिए भी जरूरी है।

बादाम

बादाम में विटामिन ई, मैगनीज व एंटीऑक्सीडेंट्स अत्थी मात्रा में होते हैं जो बैड कोलेस्ट्रॉल कम करते हैं और कई रोगों से लड़ने में मदद करते हैं। यह शरीर में प्लाजमा और रेड ब्लड सेल्स बढ़ाते हैं जिससे संक्रमणों से लड़ने में मदद मिलती है। साथ ही दिल की बीमारियों से लड़ने में यह बहुत मददगार है।

सेब

सेब में फ्लैविनॉयड्स और विटामिन सी अच्छी मात्रा में होते हैं जो कोशिकाओं की रक्षा करते हैं। साथ ही, सेब के सेवन से किसी चोट या संक्रमण से रिकवरी तेजी से होती है। साथ ही, यह हृदय रोग, स्ट्रोक, हाई बीपी जैसी समस्याओं में भी बेहद फायदेमंद है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल स्वाद में जितनी लाजवाब है, सेहत के लिहाज से भी उतनी ही फायदेमंद है।

कर्म करने से पूर्व ध्यान रखें श्रीकृष्ण की ये बात कृष्णभावनाभावित कर्म

श्रीमद्भगवद्गीता यथारूप व्याख्याकार = स्वामी प्रभुपाद अध्याय 5 (कर्मयोग)

अर्जुन उवाच
संन्यासं कर्मणां कृष्ण पुनर्योगं च शंससि।
यच्छ्रेय एतयोरेकं तन्मे ब्रूहि सुनिश्चितम्॥ 1॥

शब्दार्थ : अर्जुनः उवाच— अर्जुन ने कहा; संन्यासम्—संन्यास; कर्मणाम्—सम्पूर्ण कर्मों के; कृष्ण—हे कृष्ण; पुनः—फिर; योगम्—भक्ति; च—भी; शंससि—प्रशंसा करते हो; यः—जो; श्रेयः—अधिक लाभप्रद है; एतयोः—इन दोनों में से; एकम्—एक; तः—वह; मे—मेरे लिए; ब्रूहि—कहिए; सु-निश्चितम्—निश्चित रूप से।

अनुवाद : अर्जुन ने कहा हे कृष्ण! पहले आप मुझसे कर्म त्यागने के लिए कहते हैं और फिर भक्तिपूर्वक कर्म करने का आदेश देते हैं। क्या आप अब कृपा करके निश्चित रूप से मुझे बताएंगे कि इन दोनों में से कौन अधिक लाभप्रद है?

तात्पर्य : भगवद्गीता के इस पंचम अध्याय में भगवान् बताते हैं कि भक्तिपूर्वक किया गया कर्म शुष्क चिंतन से श्रेष्ठ है। भक्ति पथ अधिक सुगम है क्योंकि दिव्यस्वरूपा भक्ति, मनुष्य को कर्मबंधन से मुक्त करती है। द्वितीय अध्याय में आत्मा तथा उसके शरीर बंधन का सामान्य ज्ञान बतलाया गया है। उसी में बुद्धियोग अर्थात भक्ति द्वारा इस भौतिक बंधन से निकलने का भी वर्णन हुआ है। तृतीय अध्याय में यह बताया गया है कि ज्ञानी को कोई कार्य नहीं करने पड़ते।

चतुर्थ अध्याय में भगवान् ने अर्जुन को बताया है कि सारे यज्ञों का पर्यवसान ज्ञान में होता है किन्तु चतुर्थ अध्याय के अंत में भगवान ने अर्जुन को सलाह दी कि वह पूर्णज्ञान से युक्त होकर, उठ करके युद्ध करे।

अतः इस प्रकार एक ही साथ भक्तिमय कर्म तथा ज्ञानयुक्त-अकर्म की महत्ता पर बल देते हुए श्री कृष्ण ने अर्जुन के संकल्प को भ्रमित कर दिया है। अर्जुन यह समझता है कि ज्ञानमय संन्यास का अर्थ है, इन्द्रिय कार्यों के रूप में समस्त प्रकार के कार्यकलापों का परित्याग। किन्तु यदि भक्तियोग में कोई कर्म करता है तो फिर कर्म का किस तरह त्याग हुआ?

दूसरे शब्दों में, वह यह सोचता है कि ज्ञानमय संन्यास को सभी प्रकार के कार्यों से मुक्त होना चाहिए क्योंकि उसे कर्म तथा ज्ञान असंगत से लगते हैं। ऐसा लगता है कि वह यह नहीं समझ पाया कि ज्ञान के साथ किया गया कर्म बंधनकारी न होने के कारण अकर्म के ही तुल्य है। इसीलिए वह पूछता है कि वह सब प्रकार से कर्म त्याग कर दे या पूर्णज्ञान से युक्त होकर कर्म करे।

क्यों सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा जी की नहीं होती है पूजा?

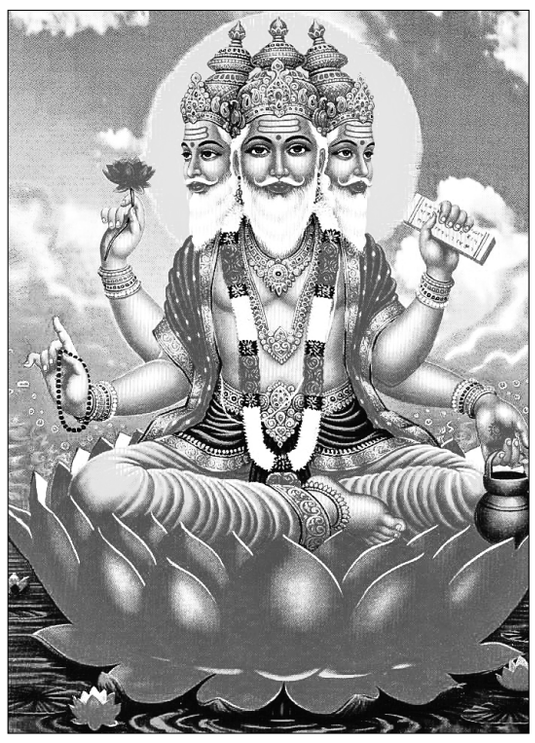

हिंदू धर्म के पुराणों में माना जाता है कि सृष्टि का निर्माण भगवान ब्रह्मा जी ने किया था। लेकिन आप जानते है कि इनकी पूजा कहीं नहीं की जाती है। पुराणों के अनुसार दुनियाभर में ब्रह्मा जी के केवल 2 मंदिर है। और इन मंदिरों में भी इनकी पूजा नहीं की जाती है। न ही भारत में इनसे संबंधित कोई भी उत्सव और व्रत नहीं है। हिंदू पुराणों में इस बारे में कई पौराणिक कथाएं मिलती है। जिसके अनुसार माना जाता है कि ब्रह्मा जी को उनकी पत्नी सावित्री के शाप के कारण नहीं पूजा जाता है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि कहीं भी इनकी पूजा नहीं की जाती है।

एक बार ब्रह्माजी के मन में धरती की भलाई के लिए यज्ञ करने का ख्याल आया। यज्ञ के लिए जगह की तलाश करनी थी। इसके कारण एक जगह का चुनाव करने के लिए उन्होंने अपनी बाह से निकले हुए एक कमल को धरती लोक की ओर भेज दिया। कहते हैं जिस स्थान पर वह कमल गिरा वहां ही ब्रह्माजी का एक मंदिर बनाया गया है। यह स्थान है राजस्थान का पुष्कर शहर, जहां उस पुष्प का एक अंश गिरने से तालाब का निर्माण भी हुआ था। इसी स्थान पर ब्रह्माजी यज्ञ करने के लिए पहुंचे, लेकिन उनकी पत्नी सावित्री वक्त पर नहीं पहुंच पाई।

कुछ देर उनका इंतजार करने के बाद ब्रह्माजी ने ध्यान दिया कि यज्ञ का समय तो निकल रहा है, यदि सही समय पर आरंभ नहीं किया तो इसका असर अच्छा कैसे होगा। परन्तु उन्हें यज्ञ के लिए एक स्त्री की आवश्यकता थी, इसलिए उन्होंने एक स्थानीय ग्वाल बाला से शादी कर ली और यज्ञ में बैठ गए। अब यज्ञ आरंभ हो चुका था, लेकिन थोड़ी ही देर बाद ही सावित्री वहां पहुंची और यज्ञ में अपनी जगह पर किसी और औरत को देखकर वे क्रोधित हो गईं। गुस्से में उन्होंने ब्रह्माजी को शाप दिया और बोली कि जाओ इस पृथ्वी लोक में तुम्हारी कहीं पूजा नहीं होगी। यहां का जन-जीवन तुम्हें कभी याद नहीं करेगा। इस तरह देवी को क्रोधित देखकर सभी देवता लोग डर गए।

उन्होंने उनसे विनती की कि कृपया अपना शाप वापस ले लीजिए। लेकिन सावित्री ने एक बात नहीं मानी, लेकिन कुछ समय बाद जब उनका गुस्सा शांत हुआ तो उनको अपनी भूल का पछतावा हुआ और फिर वह बोली कि इस धरती पर सिर्फ पुष्कर में आपकी पूजा होगी। कोई भी दूसरा आपका मंदिर बनाएगा तो उसका विनाश हो जाएगा। पद्म पुराण के अनुसार माना जाता है कि क्रोध शांत होने के बाद सावित्री पुष्कर के पास मौजूद पहाड़ियों पर जाकर तपस्या में लीन हो गईं और फिर वहीं की होकर रह गईं। मान्यतानुसार आज भी देवी यहीं रहकर अपने भक्तों का कल्याण करती हैं। इन्हें कल्याण की देवी माना जाता है। इनकी पूजा करने से सुहाग की उम्र लंबी होती है। साथ ही हर मनोकामना पूर्ण होती है।

पापों से मुक्ति के लिए अवश्य पढ़ें यह कथा

दम पुराण के अनुसार दिति और ऋषि कश्यप जी के दो पुत्र हिरण्यकश्य (हिरण्याकशिपु) और हिरण्याक्ष हुए। यह दोनों बड़े बलशाली एवं पराक्रमी थे तथा वह सभी दैत्यों के स्वामी थे। हिरण्याक्ष को अपने बल पर बड़ा अभिमान था क्योंकि उसके शरीर का कोई निश्चित मापदण्ड नहीं था। उसने अपनी हजारों भुजाओं से समस्त पर्वत, समुद्र, द्वीप तथा प्राणियों सहित सारी पृथ्वी को उखाड़ कर सिर पर रख लिया तथा रसातल में चला गया, जिससे सभी देवता भयभीत होकर त्राहि-त्राहि करने लगे तथा वह भगवान नारायण की शरण में गए।

भगवान ने तब वाराह रूप में अवतार लेकर हिरण्याक्ष को कुचल दिया। जिससे वह मारा गया तथा भगवान ने धरती को पुनः शेषनाग की पीठ पर स्थापित करके सभी को अभयदान दिया।

अपने भाई की मृत्यु से दुखी हुए हिरण्यकशिपु ने मेरू पर्वत पर जाकर घोर तपस्या की तथा सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा जी से वरदान मांगा कि उसे सारी सृष्टि का कोई मनुष्य अथवा शूरवीर मार ही न सके, वह न दिन में मरे तथा न ही रात को, वह न किसी छत के नीचे मरे तथा न ही खुले आकाश में तथा न ही धरती पर मरे तथा न ही किसी वस्तु पर गिरकर, कोई अस्त्र उसे काट न सके तथा आग उसे जला न सके। यहां तक कि साल के 12 महीनों में से किसी भी महीने में न मर पाऊं। ऐसा वरदान पाकर हिरण्यकशिपु स्वयं को अमर मानने लगा तथा और अधिक अहंकार में आ गया और अपने आप को भगवान कहने लगा। दैत्य हिरण्यकशिपु के घर प्रहलाद का जन्म हुआ। वह बालक भगवान विष्णु के प्रति भक्ति भाव रखता था जो उसके पिता को बिल्कुल पसंद नहीं था। उसने अनेकों बार पुत्र को समझाया कि वह भगवान विष्णु की नहीं बल्कि उसकी पूजा करें। उसने अपनी सारी प्रजा को भी तंग कर रखा था। उसके राज्य में कोई भी व्यक्ति किसी भगवान की पूजा अर्चना नहीं कर सकता था। जब हिरण्यकश्य को अपने राज्य में किसी के बारे में ऐसी सूचना भी मिलती थी तो वह उसे मरवा देता था। पुत्र मोह के कारण उसने प्रह्लाद को बहुत समझाया परंतु जब वह न माना तो उसने अपनी बहन होलिका, जिसे वरदान था कि आग उसे जला नहीं सकती के साथ मिलकर मारने की कोशिश की।

होलिका अपने भतीजे को मारने के लिए दहकती हुई आग में बैठ गई परंतु कहा जाता है की 'जाको राखे साईयां मार सके न कोई' की कहावत चरितार्थ हुई और भक्त प्रहलाद का बाल भी बांका न हुआ तथा होलिका जलकर राख हो गई। बहन के जल जाने के बाद तो हिरण्यकश्य गुस्से से अत्याधिक आग बबूला हो गया तथा उसने प्रहलाद को मारने के लिए कभी पर्वतों से गिराया तथा कभी हाथी के पांव तले रोंदवाया और सांड़ों के आगे फैंकवाया। उसने प्रह्लाद पर अनेक अत्याचार किए परंतु मारने वाले से ज्यादा बलवान है बचाने वाला।

हिरण्यकशिपु को हर समय अपने पुत्र से चिंता रहने लगी कि कहीं उसके राज्य के लोग भी भगवान की भक्ति में न लग जाएं। सर्वशक्तिमान एवं सर्वव्यापक ईश्वर जब किसी पापी के बढ़ रहे पापों एवं अत्याचारों का घड़ा भरते देखते हैं तो किसी न किसी रुप में प्रकट होकर अपने भक्त की रक्षा अवश्य करते हैं। अपनी सभा में बैठे हिरण्यकशिपु ने भक्त प्रह्लाद को मारने के लिए एक खंबे पर मुक्का मारते हुए कहा कि क्या इस खंबे में भी भगवान हैं तो बुलाओ।

भक्त प्रह्लाद ने नारायण को पुकारा तो ब्रह्मा जी के दिए हुए वचन को पूरा करने के लिए भगवान विष्णु खंबे में से नृसिंह अवतार लेकर प्रकट हो गए। उन्होंने हिरण्यकशिपु को उठा लिया तथा घर की दहलीज पर ले आए उन्होंने उसे अपनी गोद में लिटा लिया तथा शेर मुख तथा पंजों के नाखूनों से चीर कर उसे मार दिया। उसके दिए वचन को पूरा करते हुए भगवान ने कहा कि इस समय न दिन है न रात अर्थात संध्या का समय है, न मैं नर हूं न पशु, अर्थात आधा शरीर पशु तथा आधा मनुष्य का है तभी उनका नाम नृसिंह पड़ा।

साल के 12 महीनों में से किसी भी महीने में न मरने का वचन लेने वाले हिरण्यकशिपु को मारने के लिए भगवान ने पुरषोत्तम अर्थात अधिक मास बनाया। भगवान ने नृसिंह अवतार लेकर दुष्ट, पापी एवं अहंकारी हिरण्यकशिपु को मार कर अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा करी। सभी ने मिलकर प्रभु की स्तुति की तथा भगवान ने नृसिंह रूप में ही सभी को आशीर्वाद दिया।

महादैत्य के मारे जाने से सबको बड़ा हर्ष हुआ। देवताओं ने पुष्पों की वर्षा की और देवगणों ने प्रभु की स्तुति गाई। दक्षिण भारत में हर साल नृसिंह जयंती पर वैष्णव सम्प्रदाय के लोग भक्तों की रक्षा करने वाले भगवान नृसिंह जी की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। जो लोग प्रतिदिन इस कथा को सुनते हैं वह सब पापों से मुक्त होकर परमगति को प्राप्त करते हैं।

घर में न रखें ये सामान, दरिद्रता को देते हैं खुला आमंत्रण

घर में कोई भी वस्तु टूट जाती है तो उसे रख दिया जाता है की जब समय होगा उसे ठीक करवा कर रख लेंगे लेकिन वो टूटी चीज घर का हिस्सा बन जाती है। जिससे न सिर्फ घर में नकारात्मकता फैलती है बल्कि धन की देवी लक्ष्मी नाराज होकर उस घर को छोड़ देती हैं। क्या आप जानते हैं ऐसा रवैया दरिद्रता को खुला निमंत्रण देता है उस घर में अपना स्थाई निवास बनाने के लिए

टूटा हुआ कांच : घर में किसी भी तरह का टूटा हुआ कांच रखना टेंशन और दरिद्रता का कारण बनता है।

पेन : बंद अथवा टूटे हुए पेन रखने से प्रगति की राह में अड़चने आती हैं।

बिजली के उपकरणः टूटे अथवा बंद पड़े बिजली के उपकरण नकारात्मकता के साथ-साथ राहू का दुष्प्रभाव संचारित करते हैं। खराब उपकरणों को या तो ठीक करवा लें अन्यथा कबाड़ में बेच दें।

धार्मिक सामान : देवी-देवताओं की खण्डित मूर्तियां, फटी तस्वीरें या ग्रंथ घर में रखना अशुभ होता है। उन्हें पवित्र नदी में विसर्जित कर देना चाहिए।

बर्तन : घर में टूटे-फूटे बर्तन नहीं रखने चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, यदि ऐसे बर्तन घर में रखे जाते हैं तो इससे मां लक्ष्मी असप्रसन्न होती हैं और घर में दरिद्रता का प्रवेश हो सकता है।

शीशा : वास्तु के अनुसार घर में टूटा हुआ शीशा रखना एक दोष है।

इससे नकारात्मक ऊर्जा घर में सक्रिय हो जाती है और परिवार के सदस्यों को इसका परिणाम भुगतना पड़ सकता है।

घड़ी : ऐसा कहा जाता है कि घड़ी की स्थिति से ही हमारे घर परिवार की उन्नति होती है, इसलिए घर में खराब और बंद घड़ी को घर में न रखें।

तस्वीर : यदि घर में कोई तस्वीर टूट जाए तो फिर वह आपको कितनी ही प्रिय क्यों न हो उसे तुरंत घर से हटा देना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इससे भी वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है।

दरवाजा : घर का मुख्य दरवाजा या अन्य कोई दरवाजा खराब हो रहा है तो उसे तुरंत ही ठीक करवा लें।

पलंग : वैवाहिक जीवन में सुख शांति के लिए जरूरी है कि पति-पत्नी के पलंग में ना कोई दरार हो और ना ही यह कहीं से टूटा हुआ हो। यदि पलंग ठीक नहीं होगा तो पति-पत्नी के वैवाहिक जीवन में परेशानियां आ सकती हैं।

फर्नीचर : घर का फर्नीचर भी सही हालत में होना आवश्यक है।

वास्तु के अनुसार फर्नीचर में टूट-फूट अशुभ मानी जाती है। घर में वास्तु दोष होने से पैसों की कमी बनी रहती है, इसलिए इसका निवारण तुरंत करना चाहिए।

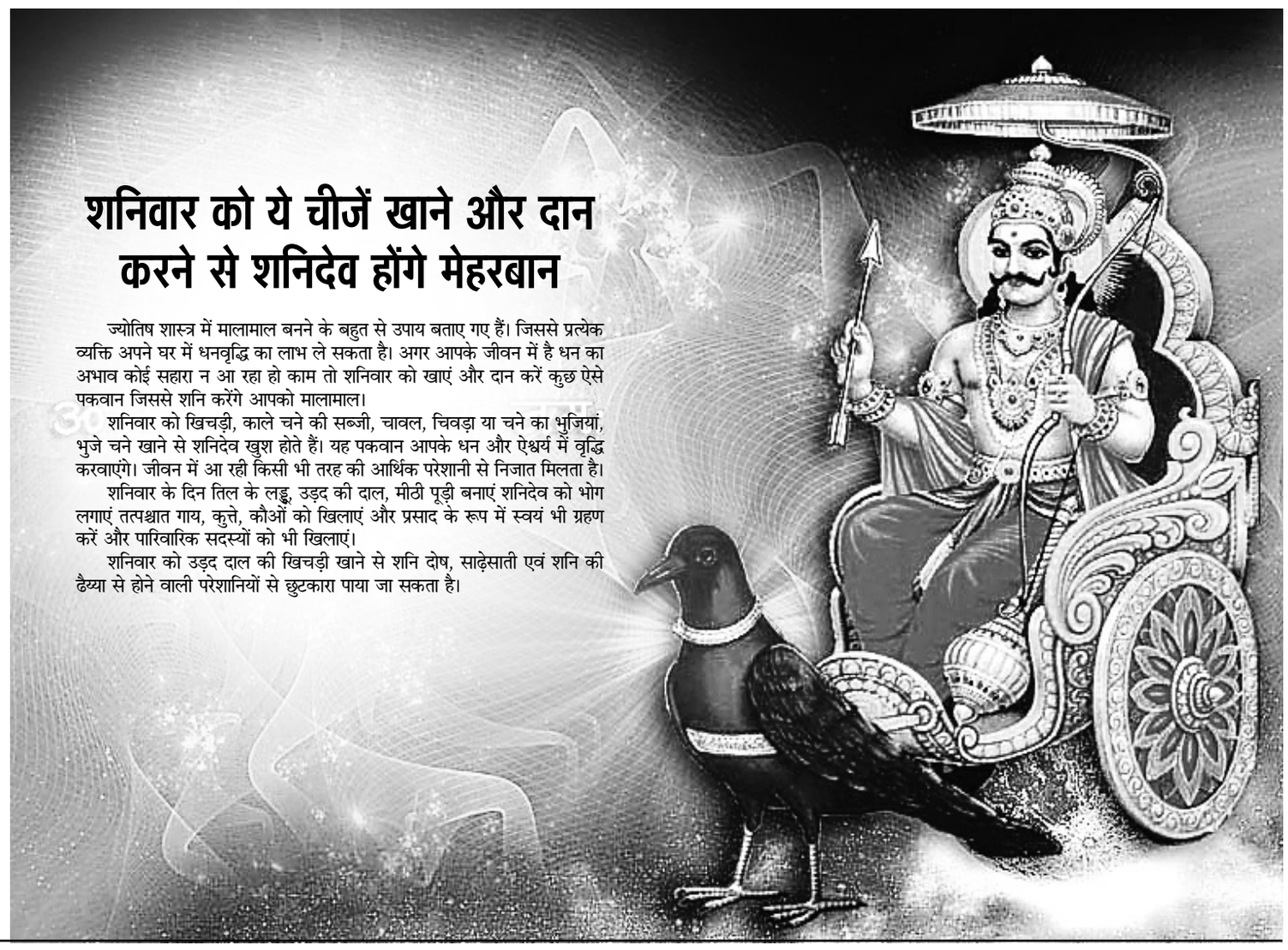

शनिवार को ये चीजें खाने और दान करने से शनिदेव होंगे मेहरबान

ज्योतिष शास्त्र में मालामाल बनने के बहुत से उपाय बताए गए हैं। जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपने घर में धनवृद्धि का लाभ ले सकता है। अगर आपके जीवन में है धन का अभाव कोई सहारा न आ रहा हो काम तो शनिवार को खाएं और दान करें कुछ ऐसे पकवान जिससे शनि करेंगे आपको मालामाल।

शनिवार को खिचड़ी, काले चने की सब्जी, चावल, चिवड़ा या चने का भुजियां, भुजे चने खाने से शनिदेव खुश होते हैं। यह पकवान आपके धन और ऐश्वर्य में वृद्धि करवाएंगे। जीवन में आ रही किसी भी तरह की आर्थिक परेशानी से निजात मिलता है।

शनिवार के दिन तिल के लड्डू, उड़द की दाल, मीठी पूड़ी बनाएं शनिदेव को भोग लगाएं तत्पश्चात गाय, कुत्ते, कौओं को खिलाएं और प्रसाद के रूप में स्वयं भी ग्रहण करें और पारिवारिक सदस्यों को भी खिलाएं।

शनिवार को उड़द दाल की खिचड़ी खाने से शनि दोष, साढ़ेसाती एवं शनि की ढैय्या से होने वाली परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता है।

अभिनेत्री रिचा चड्ढा ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के खोले बड़े राज

बॉलीवुड अभिनेत्री रिचा चड्ढा अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने फैंस को हर बार कोई-न-कोई हॉट अवतार से सरप्राइज करती रहती हैं। हाल ही में 'मुंबई मिरर' को दिए एक इंटरव्यू में उन्होनें बॉलीवुड और खुद से जुड़े कई राज खोले। रिचा ने बताया कि कैसे बॉलीवुड में एक महिला को संघर्ष करना पड़ता है और साथ ही कैसे ट्रीट किया जाता है।

रिचा ने कहा, 'एक महिला जो शक्तिशाली किरदार के साथ बॉलीवुड में कदम रखती है, अपनी जमीन खोने लगती है जब उसे कहा जाता है कि इंडस्ट्री के मुताबिक अपनी बॉडी में बदलाव लाओ। मुझे कहा गया कि आपको अपना वजन बढ़ाना चाहिए, फिर घटाना चाहिए। नाक को ठीक करना चाहिए और होंठ को मोटा।'

रिचा ने कहा कि बॉलीवुड में स्तन में बदलाव लाने के लिए भी कहा जाता है। साथ ही बढ़े हुए वजन को कम करने के लिए, बालों को बड़ा करने के लिए, उनपर कलर करने के लिए, नितंबो को बड़ा करने के लिए, हिल्स के साथ दौड़ने के लिए और भी बहुत कुछ करने को कहा गया।

इस अभिनेत्री को नहीं पता है आइटम सॉन्ग का मतलब

जरीन खान ने बताया कि उन्हें आइटम सॉन्ग का मतलब पता नहीं है और न ही यह पता है कि क्यों इसे यह नाम दिया गया। फिल्म 'रेडी' में 'कैरेक्टर ढीला...' सॉन्ग में सलमान खान संग नजर आ चुकीं जरीन को फिल्मकार राम गोपाल वर्मा की 'वीरप्पन' के प्रमोशनल सॉन्ग 'खल्लास वीरप्पन' में देखा गया, जिसमें उनके नए अंदाज को काफी सराहा गया। जरीन ने कहा, 'मैंने 'खल्लास' इसलिए किया, क्योंकि यह सॉन्ग मुझे पसंद आया। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे 'खल्लास' फिर बनाने का अवसर मिला। मुझे आइटम सॉन्ग का मतलब पता नहीं और न ही यह पता है कि क्यों किसी गीत को आइटम सॉन्ग कहा जाता है। 'हेट स्टोरी 3' फेम एक्ट्रेस जरीन का मानना है कि इसे प्रमोशनल या स्पेशल कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'इसे प्रमोशनल या स्पेशल सॉन्ग कहा जाना चाहिए, चूंकि इसे ऐसा पर्सन करता है जो फिल्म का हिस्सा नहीं है।'

एयरपोर्ट पर कैटरीना कैफ के साथ मीडिया ने की बदतमीजी

बॉलीवुड एक्ट्रैस कैटरीना कैफ को अकसर मीडिया के साथ सहज रूप में बात करते देखा गया है। लेकिन हील ही में कुछ मीडिया कर्मियों ने कैटरीना के साथ बतमीजी कर डाली।

मीडिया ने कटरीना को पब्लिक प्लेस पर असहज महसूस करवाया लेकिन वह इसका विरोध किए बिना ही निकल गईं। दरअसल, पिछली देर रात कैटरीना कैफ मोरक्को से अपनी फिल्म 'जग्गा जासूस' की शूटिंग कर मुंबई लौंटी। जैसे ही कैटरीना कैफ एयरपोर्ट पर पहुंची मीडिया ने उनकी तस्वीरें क्लिक कर उनका रास्ता रोकने की कोशिश की और उनके सवाल पूछना शुरू कर दिए। इस मौके पर कैटरीना अपने बॉडीगार्ड्स के साथ नहीं थीं और उनके ड्राइवर ही मीडिया को धकेलते नजर आए। लेकिन जैसे ही कैटरीना अपनी गाड़ी में सवार होने लगी तो वहां मौजूद मीडियाकर्मियों में से ये चिल्लाने की आवाज आई कि हमें बुलाया क्यों? यह बात सुनने के बाद कैटरीना भी यह बोलते हुए गाड़ी में बैठ गईं कि 'मैंने नहीं बुलाया'।

ये है अभिषेक बच्चन की ड्रीम फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन हिंदी फिल्मों के दीवाने हैं। उन्हें जब भी समय मिलता है, वह फिल्में देखना नहीं भूलते। अभिषेक जल्द ही हाउसफुल फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म हाउसफुल-3 में लोगों को गुदगुदाते दिखाई देंगे।

फिल्म के प्रमोशन के लिए नई दिल्ली पहुंचे अभिषेक बच्चन ने को बताया, ÷मैं फिल्में देखने का शौकीन हूं। जब भी मौका मिलता है, मैं फिल्में देखने में लग जाता हूं। अपनी ड्रीम फिल्म के बारे में अभिषेक कहते हैं, ÷मेरी ड्रीम फिल्म 'कभी खुशी, कभी गम,' है। मैं इसके पार्ट या फिर रीमेक में काम करना चाहूंगा। यह मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। हाउसफुल-3 तीन जून को रिलीज हो रही है।

कॉमेडी आसान नहीं, टाइमिंग पर मिलती है सराहना : अक्षय

एक पांच सितारा होटल में आयोजित कार्यक्रम में अपकमिंग फिल्म 'हाउसफुल 3' के लीड एक्टर अक्षय कुमार और अभिषेक बच्चन सिने लवर्स से रूबरू हुए। दोनों कलाकारों ने जहां फिल्म से जुड़े अनुभव शेयर किए, वहीं लोगों के सवालों के अनोखे अंदाज में जवाब भी दिए। इस दौरान अक्षय और अभिषेक पत्रिका प्लस के गेस्ट एडिटर भी बने। उन्होंने एडिटिंग के दौरान कहा कि अखबार में सोशल इश्यूज और ह्यूमन एंगल स्टोरीज को अहम जगह देनी चाहिए। साथ ही हेल्थ और फिटनेस जैसे सब्जेक्ट्स पर भी खबरों का प्रकाशन होना चाहिए। यूथ को ध्यान में रखते हुए एजुकेशन और एंटरटेनमेंट की खबरों को भी जगह मिलनी चाहिए। इस दौरान राजस्थान पत्रिका की ओर से स्टार्स और ऑडियंस के बीच एक गेम भी खेला गया और विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

एंट्री रही खास

कार्यक्रम में अक्षय और अभिषेक ने धमाकेदार एंट्री लेते हुए फिल्म के गाने पर डांस किया। दोनों स्टार्स का ऑडियंस ने तालियां बजाकर वेलकम किया। इस दौरान अक्षय का स्वागत मार्केटिंग विभाग के वाइस प्रेसिडेंट पार्थसारथी नटराजन ने किया, वहीं अभिषेक को मार्केटिंग डिपार्टमेंट के वाइस प्रेसिडेंट हेमंत बांगुडे ने पुष्प गुच्छ भेंट किए।

खास पलों की सेल्फी

ऑडियंस को पत्रिका की ओर से आयोजित यह प्रोग्राम इतना भाया कि हर कोई इसकी तारीफ करता नजर आया। कार्यक्रम में इन खास पलों को दर्शकों ने सेल्फी और फोटो क्लिक करके यादगार बनाया। हॉल में हर किसी के चेहरे पर खुशी थी और सभी की जुबां पर था कि काश! पत्रिका समूह समय-समय पर कुछ ऐसा ही नया और निराला करता।

बिग-बी के सामने भूल गया था डायलॉग

बकौल अक्षय, इंडस्ट्री में हर किसी ने डिसिप्लीन अमिताभ बच्चन से सीखा है। इंडस्ट्री समेत दुनिया के लगभग सभी लोग उन्हें आदर्श मानते हैं। एक वाकये को याद करते हुए उन्होंने कहा, एक फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ पहले शॉट के समय मुझे किसी ने कहा था कि मैं उनकी आंखों में न देखूं, वर्ना शॉट क्लीयर नहीं हो पाएगा। मैंने इस बात को इग्नोर कर बिग-बी के सामने नजर से नजर मिलाकर डायलॉग बोलना चाहा, लेकिन बोलते-बोलते मैं डायलॉग ही भूल गया। अक्षय ने कहा कि अमितजी एक शॉट देने के लिए 15 से 18 रिहर्सल्स करते हैं जो शायद हम लोग नहीं कर पाते।

...बिगाड़ा सेलिब्रेशन

एक सवाल पर अभिषेक ने कहा कि पहले की तुलना में मल्टीप्लेक्स में रोजाना 30 शोज चल रहे हैं, जबकि सिंगल स्क्रीन पर तीन से चार शो ही चल पाते हैं। इस लिहाज से पहले के थिएटर्स की पूरे हफते की कमाई आज एक मल्टीप्लेक्स एक दिन में ही पूरी कर लेता है। इसी कारण फिल्में सिल्वर या गोल्डन जुबली नहीं मना पा रही हैं। अक्षय ने कहा कि कॉमेडी बहुत ही मेहनत वाली चीज है। मौजूदा दौर में हो रही अवॉर्ड्स नाइट्स में उनकी कद्र नहीं की जा रही है। इंडस्ट्री में कॉमेडी मुश्किल चीज है, उसके लिए सही टाइमिंग का होना बहुत जरूरी है।

फैमिली एंटरटेनर

अक्षय ने कहा कि हम कोई भी मूवी यह सोचकर नहीं करते कि वह सुपरहिट साबित होगी। पूरे परिवार को ध्यान में रखते हुए 'हाउसफुल' सीरीज की फिल्में बनाई हैं। यह अन्य कॉमेडी फिल्मों से काफी हटकर है, हर किरदार मनोरंजन करता नजर आएगा। इसमें मेरा किरदार फुटबॉल प्लेयर का है जो किसी हालात की वजह से व्हीलचेयर पर चलने की नौटंकी करता है।

...आराध्या को संस्कार

अभिषेक ने कहा, हमारे घर में कभी मेल या फीमेल में कोई अंतर नहीं किया, जिससे आज हम सभी खुश हैं। आराध्या को घर के बुजुर्ग संस्कारों का ज्ञान दे रहे हैं ताकि वह हमारे परिवार की पर परा को आगे बढ़ा सके। इस दौरान अक्षय ने लोगों को कहा कि इंसान की सेवा भावना ही पहचान दिलाती है। मैं कभी भी ईश्वर के सामने दीया या मोमबत्ती जलाकर नहीं बैठा हूं। मन की शांति सिर्फ जरूरतमंद आदमी की मदद से ही मिलती है। कार्यक्रम के दौरान सीनियर न्यूज एडिटर क्षिप्रा माथुर ने दोनों कलाकारों से इंटरेक्शन किया।